DE GROUP
We Define Estate

Gandivaranchi
बिरसा का गांडीव

injection.care
PHARMACY
+91 95070 00009 | injection.care

रांची, अगहन, शुक्ल पक्ष, दसमी 2082 | रविवार, 30 नवंबर 2025, मूल्यः ₹2, वर्ष : 7, अंकः 16 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | wwwÜgandivliveÜcom

### शीतकालीन सत्र को पीएम मोदी ने गरमाया, विपक्ष पर कसा तंज, कहा-हार की हताशा से बाहर निकलें

# सदन में ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मीडिया को संबोधित करते हुए साफ कहा कि संसद परिसर में ड्रामा करने की बहुत जगहें बाहर हैं, लेकिन सदन में हंगामे की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि सदन में ड्रामा नहीं डिलीवरी होनी चाहिए।

उन्होंने सभी राजनीतिक दलों, खासकर विपक्ष से अपील की कि वे सत्र को सुचारू और गरिमामय तरीके से चलाने में सहयोग दें। प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद देश की आशाओं और अपेक्षाओं का केंद्र है। ऐसे में यहां नारेबाजी नहीं, बल्कि नीतियों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। नारे नहीं, नीति पर जोर देना चाहिए और इसके लिए नीयत होनी चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि चुनावी पराजय की निराशा से निकलना चाहिए और रचनात्मक चर्चा में हिस्सा लेना चाहिए। कुछ राजनीतिक दल अभी भी बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन संसद निराशा का मैदान नहीं बननी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, सत्र किसी पक्ष की निराशा या किसी की विजय के अहंकार का अखाड़ा नहीं बनना चाहिए। नकारात्मकता से देश

निर्माण नहीं होता।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने युवा सांसदों को अधिक अवसर देने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि नए सदस्यों के अनुभव और उनकी नई सोच से देश को फायदा होना चाहिए। हमारी युवा पीढ़ी जो नई दृष्टि लाती है, उससे सदन भी लाभान्वित होना चाहिए और उसके माध्यम से देश को भी नए विचार मिलने चाहिए। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि सदन ड्रामा की जगह नहीं है। यह काम करने की जगह है। हमें जिम्मेदारी की भावना के साथ काम करना होगा। पीएम मोदी ने सभी दलों को संदेश देते हुए कहा, मेरी सभी दलों से अपील है कि शीतकालीन सत्र में पराजय की बौखलाहट मैदान नहीं बननी चाहिए और यह सत्र विजय के अहंकार में भी परिवर्तित नहीं होना चाहिए। इससे पहले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सोमवार को उम्मीद जताई कि संसद के सभी सदस्य लोकतंत्र की परंपराओं को मजबूत करने और शीतकालीन सत्र को प्रोडक्टिव बनाने के लिए सार्थक योगदान देंगे।

**सीतारमण ने तंबाकू-पान मसाला पर सेस लगाने वाले दो बिल पेश किए :** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में अपनी बात रखी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में अपनी बात रखी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में दो अहम बिल पेश किया। दोनों बिल उन उत्पादों पर नई कर व्यवस्था से जुड़े हैं, जिन पर अभी जीएसटी क्षतिपूर्ति सेस लगता है- जैसे सिगरेट, तंबाकू और पान मसाला।इसके जरिए केंद्रीय उत्पाद शुल्क एक्ट, 1944 में संशोधन कर सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर क्षतिपूर्ति सेस खत्म होने के बाद एक्साइज ड्यूटी के जरिए राजस्व संग्रह जारी रखा जाएगा।

इसे केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 नाम दिया गया है। वित्त मंत्री ने स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा सेस विधेयक, 2025 भी पेश किया। नया सेस उन उत्पादों पर लगेगा जिनसे राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा जोखिम माना जाता है। पान मसाला जैसे उत्पादों पर यह सेस लगाया जाएगा। तंबाकू और पान मसाला जैसी हानिकारक उत्पादों पर अभी 28% जीएसटी लगता है।

## संसदीय समितियों को दो बिलों पर रिपोर्ट पेश करने के लिए और समय मिला

लोकसभा ने सोमवार को दो संसदीय समितियों को दिवाला कानून और जन विश्वास प्रावधान संशोधन बिल पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए और समय दिया। सदन ने दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए संसदीय समिति को शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन तक का समय दिया है। यह बिल लोकसभा में पेश किए जाने के तुरंत बाद 12 अगस्त को समिति को भेज दिया गया था। यह बिल दिवाला कानून में संशोधन का प्रयास करता है, जिसमें कई संशोधनों का प्रस्ताव है, जिसमें वास्तविक व्यावसायिक विफलताओं, समूह और सीमा पार दिवालियेपन ढांचों को संबोधित करने के लिए एक अदालत के बाहर तंत्र शामिल है। लोकसभा ने एक अन्य संसदीय समिति को जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2025 पर अपनी रिपोर्ट पेश करने के लिए शीतकालीन सत्र के दूसरे सप्ताह के अंतिम दिन तक का समय दिया। सरकार ने 18 अगस्त को यह बिल पेश किया था, जिसे बाद में संसदीय समिति को भेज दिया गया था। इस बिल का मकसद जीवन को आसान बनाने और कारोबारी माहौल में सुधार लाने के लिए विभिन्न कानूनों के तहत छोटे अपराधों से संबंधित 288 प्रावधानों को अपराधमुक्त करना है। यह दूसरा जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) बिल है। इससे पहले 2023 में, सरकार ने एक समान कानून पारित किया था।

## भड़का विपक्ष, मोदी को याद दिलाई पीएम पद की गरिमा

संसद के शीतकालीन सत्र में सदन से बाहर ही पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से दिए गए बयान पर हंगामा शुरू हो गया है। आरजेडी के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा कि पीएम मोदी खुद किस हताशा में हैं। उन्होंने कहा, पीएम ने यदि इस तरह बोला है कि विपक्ष हार की हताशा में है तो फिर वे किस हताशा में हैं। आप के अंदर कौन सी हताशा है। चुनाव मौलिक मुद्दों पर ना लड़कर कट्टा, भैंस और मुजरा जैसी बातें कहीं। क्या यह प्राइम मिनिस्टर की गरिमा है। यही नहीं केरल के वायनाड से सांसद प्रियंका वाड्रा ने भी पीएम मोदी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि जनता के मुद्दे उठाना कब से ड्रामा करना हो गया। उन्होंने कहा कि कई गंभीर मसले हैं। चुनाव की स्थिति, रक्फ़और पलूशन बड़े मुद्दे हैं। इन मसलों पर बात होनी चाहिए। आखिर संसद किसलिए होती है। मुद्दे उठाना ड्रामा तो नहीं है। ड्रामा यह है कि चर्चा ही नहीं करने दिया जाता। लोकतंत्र की हद में रहकर जनता के मसले उठाना तो कोई ड्रामा नहीं है। कांग्रेस की ही सांसद नेता रेणुका चौधरी ने कहा कि आखिर कौन हमें समझा रहा है। जो सबसे बड़े ड्रामा मास्टर हैं। हमें उनसे सीखना है कि ड्रामा कैसे करना है और कब करना है। यह हमें नहीं आता। कपड़े बदलकर और कैमरे का ऐंगल बदलकर कैसे ड्रामा किया जाता है, हमें यह सीखना होगा। ऐसा लग रहा है कि विश्व गुरु अब मानसिक गुरु भी बन गए हैं।

## चक्रवाती तूफान दितवाह पड़ा कमजोर

**नई दिल्ली।** दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती तूफान दितवाह अब डीप डिप्रेशन में बदल गया है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के अनुसार, यह सिस्टम तमिलनाडु-पुडुचेरी तट के समानांतर गुजरते हुए धीरे-धीरे कमजोर हो गया। हालांकि, 6 दिसंबर तक लोगों को सावधान रहना होगा। राज्य के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रह सकती है। चेन्नई और आसपास के क्षेत्र में बादल छाए रहेंगे।

वहीं, इसका प्रभाव कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भी दिखेगा। गल्फ ऑफ मन्नार, कुमारी सागर और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में तेज हवाएं जारी रहने की संभावना है। मछुआरों को सख्ती से समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। दिल्ली में कल यानी 2 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। आने वाले सप्ताह में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।

## पलामू में ऑनलाइन गेमिंग ठग गिरोह का भंडाफोड़, सात अपराधी गिरफ्तार

*GANDIV REPORTER*

**पलामू।** पलामू जिले की हुसैनाबाद थाना पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले संगठित साइबर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। हुसैनाबाद एसडीपीओ को मिली गुप्त सूचना के आधार पर विशेष छापामारी टीम ने तीन मंजिला मकान में छापेमारी कर सात साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। सूचना मिली थी कि हुसैनाबाद स्थित अनिल कुमार विश्वकर्मा के तीन मंजिला मकान में कुछ युवक पिछले कई दिनों से ठहरे हुए हैं, जो ऑनलाइन गेमिंग व सट्टेबाजी के माध्यम से ठगी कर रहे हैं। इस सूचना पर पलामू एसपी के निर्देश पर छापेमारी टीम का गठन किया गया।

छापामारी टीम ने मकान की तीसरी मंजिल के दो अलग-अलग कमरों में 7 युवकों को ऑनलाइन गेमिंग करते रंगे हाथ दबोच लिया। पकड़े गए युवकों में छत्तीसगढ़ के भिलाई का राहुल सिंह लोधी, बिहार के औरंगाबाद के सुजित कुमार विश्वकर्मा, अजित कुमार उर्फ अजित विश्वकर्मा, रोहित कुमार सिंह उर्फ राजा, झारखंड के बोकारो का जुबेर अंसारी, रामगढ़ का अयाज आलम उर्फ टिंकू व रांची का अक्षय कुमार कुंडू शामिल हैं। उनके पास से कई महंगे मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट, बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, ऑनलाइन ट्रांजैक्शन की डायरी, जियो फाइबर राउटर सहित कुल 31 आइटम बरामद किए गए हैं।

गिरोह भोले-भाले ग्रामीणों को पैसे का लालच देकर उनके दस्तावेज से बैंक खाता खुलवाता था और एटीएम, पासबुक व चेकबुक अपने कब्जे में रख लेता था। इन्हीं फर्जी खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर की जाती थी। पूछताछ में यह भी उजागर हुआ कि पूरे नेटवर्क को तीन मुख्य आरोपी छत्तीसगढ़ के भिलाई के शेल्वी उर्फ मनीष, औरंगाबाद के राजन कुमार सिंह व प्रवीण भैया संचालित करते हैं। छापामारी में एसडीपीओ हुसैनाबाद एस मोहम्मद याकूब, हुसैनाबाद थाना, हैदरनगर थाना व देवरी ओपी के कई पुलिस अधिकारी एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

## दुमका में होटल के बाहर फायरिंग

**दुमका।** एक होटल में बदमाशों ने दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग कर दी। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कुसुमडीह गांव के पास दुमका-रामपुरहाट मुख्य मार्ग पर स्थित राधिका होटल की है। सारा विवाद खाने के बिल देने को लेकर था। बदमाशों ने होटल के शटर और शीशे पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। हालांकि हमले में कोई घायल नहीं हुआ। इधर, घटना पर एसपी पीतांबर सिंह खेरवार का कहना है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। इसमें खास बात यह है कि घटना, दुमका पुलिस लाइन से महज 500 मीटर की दूरी पर हुई। दरअसल, घटना बीती देर रात की है, जब दुमका-रामपुरहाट मार्ग पर पुलिस लाइन के समीप चार हथियारबंद बदमाशों ने होटल राधिका के शटर और शीशे पर फायरिंग कर दी।

होटल मालिक प्रतुल कुमार मंडल ने बताया कि दो दिन पहले होटल में खाने के बिल के पेमेंट को लेकर कुछ युवकों के साथ विवाद हुआ था। रविवार रात इस पर समझौता भी हो गया था। इसके बावजूद देर रात मुकेश यादव, बाबुल यादव, किशोर यादव और विक्रम दास एक वाहन से आए और अंधाधुंध फायरिंग कर दी। होटल मालिक ने बताया कि हम लोग होटल के अंदर ही थे, जैसे ही गोली की आवाज सुनकर बाहर आए तब तक वे लोग भाग चुके थे।

## सीबीआई करेगी पूरे देश में डिजिटल अरेस्ट मामलों की जांच : सुप्रीम कोर्ट

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को देशभर में डिजिटल अरेस्ट घोटाले की एकीकृत जांच का निर्देश दिया। साथ ही कोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक से पूछा कि वह साइबर अपराधियों द्वारा प्रयोग किए जा रहे बैंक अकाउंट का पता लगाने और उन्हें फ्रीज करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग क्यों नहीं कर रहा है।

डिजिटल अरेस्ट साइबर अपराध का एक ऐसा स्वरूप है, जिसमें धोखेबाजों द्वारा कानून प्रवर्तन या कोर्ट के अफसर या सरकारी एजेंसियों के कर्मचारी बनकर ऑडियो और वीडियो कॉल के माध्यम से पीड़ितों को धमकाया जाता है। साथ ही वे पीड़ितों को बंधक बनाकर उनपर पैसे देने का भी दबाव बनाते हैं। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना समेत गैर-भाजपा शासित सभी राज्य सरकारों से कहा कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में डिजिटल अरेस्ट के मामलों की जांच के लिए सीबीआई को अनुमति दें।

वहीं पीठ ने भारतीय रिजर्व बैंक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा कि साइबर धोखाधड़ी के मामलों में प्रयोग किए गए बैंक खातों को फ्रीज करने के लिए एआई या मशीन लर्निंग तकनीक का प्रयोग आखिर क्यों नहीं किया गया? सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपत्ती की शिकायत पर स्वतः संज्ञान वाले मामले में निर्देश देते हुए कहा कि साइबर अपराधी अधिकतर वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाते हैं और उनकी गाढ़ी कमाई को हड़प लेते हैं। कोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी मध्यस्थों को डिजिटल अरेस्ट के मामलों से संबंधित जांच में सीबीआई को विवरण और सहयोग प्रदान करने का निर्देश दिया।

## पराली जलाने पर राजनीति नहीं होनी चाहिए

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एयर पॉल्यूशन के मुद्दे पर सुनवाई करते हुए दो टूक कहा कि परानी जलाने पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। हम पराली जलाने को लेकर टिप्पणी नहीं करना चाहते। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि दिल्ली में खराब एयर क्वालिटी और पॉल्यूशन के मुद्दे को हर साल आने वाली एक रस्म की तरह नहीं देखा जा सकता। दिल्ली में प्रदूषण के मामले को अक्टूबर में बस लिस्ट करके नहीं छोड़ा जा सकता, हम इसकी नियमित सुनवाई करेंगे। हमने यह भी देखा है कि जब इस मामले की सुनवाई हुई तो हवा की गुणवत्ता में सुधार देखा गया है। सीजेआई सूर्यकांत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग और केंद्र सरकार से कहा कि हम में से कोई भी खाली नहीं बैठ सकता। हम यह नहीं मान सकते कि इस समस्या का कोई हल नहीं है। सर्वोच्च अदालत ने अपनी छोटी और लंबी अवधि की योजनाओं को पेश करने के लिए कहा है। साथ ही, अब तक उठाए गए कदमों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने को भी कहा। सीजेआई ने आयोग से पूछा कि खुद से एक सवाल पूछिए, क्या आपकी कार्य योजना ने स्थिति को सुधारा है? उन्होंने आयोग को यह सोचने के लिए कहा कि क्या एक्शन प्लान से उनकी उम्मीदें पूरी हुई हैं। अगर आपकी कार्य योजना अप्रभावी रही है, तो शायद आपको किसी वैकल्पिक उपाय के बारे में सोचना होगा।

## 45 लाख रु. की नकली शराब और स्पिरिट के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

*GANDIV REPORTER*

**जामताड़ा।** पुलिस ने 45 लाख की नकली शराब और स्पिरिट के साथ चार तस्कर को गिरफ्तार किया है। सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि अवैध नकली विदेशी शराब की बड़ी खेप को जब्त किया गया है। यह शराब गोविन्दपुर की ओर से नारायणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पाण्डेयडीह मोड़ होते हुए बिहार ले जाई जा रही थी।

इस कार्रवाई में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, और जब्त शराब का अनुमानित बाजार मूल्य बिहार में करीब 45 लाख है। एसपी ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक वाहन में अवैध नकली विदेशी शराब को छिपाकर बिहार ले जाया जा रहा है, जिसकी एस्कॉर्टिंग दो अन्य चार पहिया वाहन कर रहे हैं।

सूचना की गंभीरता को देखते हुए, विशेष टीम का गठन किया। टीम ने पाण्डेयडीह मोड़ के पास गोविन्दपुर- साहेबगंज मुख्य मार्ग पर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान गाड़ी की तलाशी लेने पर, कुरकुरे की बोरियों के पीछे अवैध माल छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने विधिवत रूप से सामग्री और वाहनों को जब्त किया। गठित टीम ने मौके से चार अभियुक्तों को भी गिरफ्तार किया है। सभी गिरफ्तार अभियुक्त धनबाद जिले के निवासी हैं, जिनमें दारा सिंह, चन्दर मंडल, मो। रहीम और संतोष पासवान शामिल है।

# बिहार से छह माह में 100 लड़कियां गायब

## नेपाल बॉर्डर के रास्ते विदेशों में तस्करी

*GANDIV REPORTER*

**पटना।** नेपाल बॉर्डर इलाके के जिलों से बीते छह माह के दौरान 100 से ज्यादा लड़कियां गायब है। उनके गायब होने का मामला मानवाधिकार आयोग पहुंच गया है। इसको लेकर अधिवक्ता एसके झा ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग व बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग में दो अलग-अलग याचिका दायर की है। उन्होंने आशंका जताते हुए बताया कि नेपाल, चीन, ब्राजील, सऊदी अरब में करोड़ों में बेटियां बेची जा रही है। मोतिहारी से सटे

भारत-नेपाल बॉर्डर वाले क्षेत्रों में इस प्रकार की घटना को अंजाम देने वाले अंतर्राष्ट्रीय तस्कर गिरोह सक्रिय हैं।

परिवादी ने कहा कि जुलाई महीने में रक्सौल से 10, रामगढ़वा से 3, आदापुर से 4, अगस्त महीना में रक्सौल अनुमंडल के भेलाही, कौड़ीहार सहित विभिन्न स्थानों से 18, सितम्बर माह में पूरे अनुमंडल के विभिन्न स्थानों से एक विवाहिता सहित 17, अक्टूबर माह में 15 और नवंबर माह में 15 सहित कुल 83 लड़कियां गायब हुई हैं। नशा कारोबारियों द्वारा लड़कियों का इस्तेमाल नशीले पदार्थ की तस्करी में किया जा रहा है।

इसके अलावा भारत के जम्मू-कश्मीर, पांडिचेरी, चीन, सऊदी अरब, दुबई समेत गल्फ कंट्री, अर्जेंटीना जैसे देशों में शादी कराकर बच्चा पैदा करने, ह्यजेनरेशन चेंजह्न कराने, बच्चे को दूध पिलाने तथा देह व्यापार जैसे कार्यों के लिए भी लड़कियों को फंसाकर विदेश भेज दिया जाता है। शादी तथा बॉडी पार्ट्स की खरीद-फरोख्त के लिए भी लड़कियों की बड़े पैमाने पर विदेशों में तस्करी किए जाने की आशंका है। 6 माह में सीमा क्षेत्र से 100 से अधिक लड़कियां गायब हो चुकी हैं। बॉर्डर पर सक्रिय अपने देश के अलावा नेपाल, चीन, ब्राजील, सऊदी अरब आदि देशों के मानव तस्करों के सिंडिकेट इन लड़कियों को ऊंचे मूल्य पर बेच कर लाखों-करोड़ों रुपए का मुनाफा कमाते हैं।

पिछले दिनों इनमें से महज एक दर्जन लड़कियों को रेस्क्यू किया गया था। शेष अब भी लापता हैं। रेस्क्यू की गई लड़कियों में चार लड़कियाँ एक ही परिवार की थी। लगातार ऐसी घटनाओं से बॉर्डर क्षेत्र के परिजनों के बीच डर और खौफ का माहौल व्याप्त है। इस तरह की घटनाएं पुलिस की कार्यशैली और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवालिया निशान खड़ा कर रहा है। आयोग से मामले में उच्चस्तरीय जाँच की माँग की गई है।

# होटल केन में मरम्मत के दौरान बड़ा हादसा, 22 वर्षीय मजदूर की मौत

*GANDIV REPORTER*

**रांची/हिंदपीढ़ी।** राजधानी रांची के हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र स्थित होटल केन में मरम्मत कार्य के दौरान शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। बिहार के रफीगंज निवासी 22 वर्षीय मजदूर मंटू कुमार की चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब मंटू होटल की ऊंचाई पर खड़ा होकर काम कर रहा था, तभी जिस रॉड पर वह खड़ा था वह टूट गया और वह नीचे गिर पड़ा। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और मृतक के परिजनों में आक्रोश फैल गया। आक्रोशित लोगों ने शव को उठाने से रोक दिया और ठेकेदार पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। लोगों का कहना है कि होटल प्रबंधन और ठेकेदार की ओर से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे, जिसके कारण यह हादसा हुआ। परिजन मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाने का प्रयास कर रही है। बताया जा रहा है कि मंटू कुमार पिछले महीने छठ पूजा पर ही घर आया था और अपनी बहन की शादी में खर्च के लिए पैसे इकट्ठा कर रहा था। घर में उसकी चार बहनें हैं। परिजनों का कहना है कि मंटू मेहनत कर परिवार की जिम्मेदारी उठा रहा था, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और होटल के मरम्मत कार्य में लापरवाही की बारीकी से जांच की जा रही है।

## झारखंड राज्य का मौसम हुआ खुशनुमा

### न्यूनतम तापमान में इजाफे ने ठंड से दिलाई राहत

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड में 30 जनवरी 2025 को मौसम का मिजाज ठंडा और कोहरे वाला रहा। सुबह के समय कोहरा छाया रहा और आसमान आंशिक रूप से बादल वाले रहे। रांची समेत आसपास के जिलों में ठंडक के साथ हल्के या मध्यम दर्जे का कोहरा देखने को मिला। सबसे कम तापमान गुमला जिला में 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि अधिकतम तापमान चाईबासा में 29.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम केंद्र रांची के मुताबिक आने वाले दिनों में 2 फरवरी तक झारखंड में कोहरा और धुंध का प्रभाव बना रहेगा। आंशिक बादल छाए रह सकते हैं और 3 फरवरी के बाद मौसम साफ होने की संभावना है। तापमान में थोड़ी वृद्धि हो सकती है लेकिन फिर 3-4 फरवरी तक ठंडक फिर से बढ़ने की संभावना है। अगले 5 दिनों तक मौसम शुष्क रह सकता है, तापमान में बदलाव होता रहेगा जिससे ठंडक की स्थिति में उतार-चढ़ाव होगा।

रांची में 30 जनवरी 2025 को अधिकतम तापमान लगभग 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। दिन का मौसम आंशिक बादल वाला और कोहरे के साथ ठंडा रहा, सुबह के समय कोहरा छाया रहा। हवा की गति सामान्य थी और बारिश की कोई संभावना नहीं थी। एक खुशनुमा मौसम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया वनडे मैच संपन्न हुआ। मैच का फैसला अंतिम ओवर में हुआ और भारत में 17 रनों से शानदार जीत दर्ज कर सीरीज में एक सुनने की बढ़त बना ली।

जमशेदपुर में इसी दिन अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस रहा। जमशेदपुर में भी मौसम ठंडा और सुहावना था, लेकिन रांची की तुलना में तापमान थोड़ा अधिक था। इसके अलावा डाल्टनगंज में 10.6, बोकारो में 11.6, चाईबासा में 12.0, खूंटी में 9.8, लातेहार में 10.8 और लोहरदगा में 10.4 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड हुआ है।

# मोंटफोर्ट स्कूल का वार्षिकोत्सव संपन्न, टॉपर्स छात्र हुए सम्मानित

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** कांके के हथियागोंदा स्थित मोंटफोर्ट स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह "निस्वार्थ स्नेह की उड़ान" हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रिम्स निर्देशक और सीईओ डॉ राजकुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस दौरान सम्मानित अतिथि के रूप में प्रांतीय सुपीरियर रेव्ह ब्रदर सतीश के ।डॉन और विशेष अतिथि के रूप में रांची नगर निगम प्रशासक सुशांत गौरव व ब्रदर सोनू डुंगडुंग उपस्थित रहे। इसके अलावा छात्रों के माता पिता भी शामिल हुए।

**वार्षिकोत्सव में छात्रों ने प्रस्तुत किए मनमोहक नृत्य :** वार्षिकोत्सव में कक्षा 1- 9 के छात्रों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। छात्रों ने एक अनाथालय में माता-पिता के प्यार के बंधन को नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में माता-पिता के निःस्वार्थ प्रेम को उन पंखों के रूप में उजागर किया, जो बच्चों को जीवन में ऊंचा उड़ने में मदद करते हैं। साथ ही छात्रों ने कई नाटक प्रस्तुत किए, जिसमें दिखाया गया कि कैसे शाही/अमीर लोग भी अपने बच्चों के प्यार के लिए बलिदान देते हैं।

**उत्कर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्र हुए पुरस्कृत :** वार्षिकोत्सव में सत्र 2024 -25 के कक्षा 1-9 के टॉपर्स छात्रों को प्रोत्साहित किया गया। वहीं सांस्कृतिक प्रदर्शन और शैक्षणिक व सह पाठ्यक्रम में उत्कृष्टता के लिए छात्र पुरस्कृत हुए। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक ब्रदर हरमन और उप प्रधानाचार्य ब्रदर सुनील ने मेहमानों, अभिभावकों, शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों के प्रति आभार व्यक्त किया।

# झारखंड के 25 वर्ष : राज्य मिला, स्वराज खोया

## रजत जयंती पर आदिवासी संगठनों का तीखा हमला कहा अब घोषणा नहीं जवाबदेही चाहिए

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती पर राजधानी में आदिवासी समन्वय समिति, आदिवासी जन परिषद और झारखंड उलगुलान संघ के संयुक्त बैनर तले आयोजित झारखंड के 25 वर्ष क्या खोया क्या पाया विषयक चिंतन मंथन कार्यक्रम में राज्य की असफलताओं और अधूरे सपनों पर गंभीर बहस हुई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि झारखंड अलग राज्य तो मिला, लेकिन आंदोलन का लक्ष्य जल, जंगल, जमीन पर अधिकार, पांचवीं अनुसूची का क्रियान्वयन, सीएनटी एसपीटी एक्ट की रक्षा, 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति और पेशा कानून, आज भी कागजों में ही सीमित है। वक्ताओं ने आंकड़ों के साथ बताया कि भूमि विवादों में भारी वृद्धि, नौकरियों में बाहरी लोगों का दबदबा, प्रति व्यक्ति आय में गिरावट और खनिज संसाधनों की लूट झारखंड की सबसे बड़ी विफलताएं रही हैं। वक्ताओं ने राज्य में अवैध खनन, बालू, पत्थर माफिया, वन क्षेत्र में कमी, आदिवासी भाषा, संस्कृति पर अतिक्रमण और योजनाओं में भ्रष्टाचार को राज्य की बड़ी चुनौतियों के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि एमएनआरईजीएऔर पीएमएवाइ में धांधली, युवाओं का पलायन और आर्थिक असमानता लगातार बढ़ी है। चर्चा में आदिवासी संगठनों ने कहा कि 25 साल में राज्य मिला, पर स्वराज खो गया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि संवैधानिक प्रावधान और भूमि कानूनों की रक्षा के बजाय सरकारें, प्रशासन और माफिया गठजोड़ में शामिल हो चुके हैं। कार्यक्रम में आदिवासी समन्वय समिति के संयोजक लक्ष्मीनारायण मुंडा ने कहा कि झारखंड में लूट खसोट की सरकार चल रही है और संविधान के नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। आदिवासी जन परिषद के अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा ने कहा कि झारखंड को राज्य तो मिला, लेकिन अबुआ राज आज तक नहीं मिला। झारखंड उलगुलान संघ के संयोजक अलेयस्टर बोदरा ने कहा कि राज्य मशीनरी न्यायिक आदेशों की भी अवहेलना कर रही है। वहीं कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष डब्लू मुंडा ने कहा कि झारखंड अब लूटखंड बन गया है। चिंतन, मंथन में डॉ. मुजफ्फर हुसैन, अनिल सिंह मुंडा, अमृत चिराग तिर्की, लक्ष्मण मुंडा, किष्टो कुजूर, मंदाकिनी मुंडा, पुष्पा कुमारी और देवसहाय टुटी सहित कई बुद्धिजीवी शामिल थे। अंत में संगठनों ने कहा कि अब केवल वादे नहीं बल्कि जवाबदेही चाहिए। यदि सरकारें सीएनटी, एसपीटी की रक्षा, खनिज राजस्व का न्यायपूर्ण उपयोग और पेशा कानून का वास्तविक क्रियान्वयन नहीं करतीं, तो आदिवासीझमूलवासी समाज एक बार फिर उलगुलान के लिए बाध्य होगा। संगठनों ने घोषणा की कि 3 जनवरी 2026 से जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर पूरे वर्ष को उलगुलान वर्ष के रूप में मनाया जाएगा।

# जेएससीए टिकट सिस्टम पर बवाल तेज, पारदर्शिता पर अर्जुन मुंडा ने उठाये सवाल

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** रांची में भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे मैच में खरउअ के टिकट सिस्टम को लेकर विवाद गहरा गया है। टिकट बिक्री और पास वितरण को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं, जिसके बाद पूरे मामले की पारदर्शिता पर बहस छिड़ गई है। झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने टिकट बिक्री और पास वितरण को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि टिकट और पास बांटने में कई गड़बड़ियां सुनने को मिली हैं। इसलिए पूरे मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए। अधिवक्ता धीरज कुमार का कहना है कि अगर जांच हुई तो सच सामने आएगा और यह पता चलेगा कि टिकट और पास किस तरह बांटे गए। उधर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने भी सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि दर्शकों को न ऑनलाइन टिकट मिला, न ऑफलाइन, जिससे हजारों फैंस निराश हुए हैं। इसके अलावा नकली टिकट का मामला भी गरमाने जा रहा है। लोगों ने ब्लैक में तिगुना पैसा देकर टिकट खरीदा और वो टिकट नकली निकल गया। नकली टिकट भी खरउअ के पास ही खुले आम बेचे जा रहे थे। जनता आरोप लगा रही है कि उनपर पुलिस ने डंडा भी बहुत चलाया। अपनी गलती छुपाने के लिए खेल प्रेमियों पर बल का प्रयोग किया गया।

# विश्व एड्स दिवस पर सदर अस्पताल रांची में डालसा का कार्यक्रम आयोजित

## रास्ट्रीय लोक अदालत 13 को, तैयारी जोरों पर

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झालसा के निदेर्शानुसार, माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष, डालसा के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव, श्री रवि कुमार भास्कर की देखरेख में सदर अस्पताल रांची में विश्व एड्स दिवस के अवसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में एलडीसीएस मेम्बर, पंकज कुमार शर्मा, पीएलवी रिषभ जयसवाल, रिया जयसवाल, ममता कुमारी, मुन्नी देवी, प्रिया कुमारी, रिया कुमारी, विधि के छात्र आर्यन गड़ोदिया, राजा वर्मा व अन्य उपस्थित थे। इस अवसर पर पंकज कुमार शर्मा ने एचआईवी से पीड़ित लोगों के अधिकारों की रक्षा अधिनियम -2017 के बारे में जानकारी दी। कहा कि एड्स जानलेवा बीमारी है, पर छुआ-छुत वाली बीमारी नहीं है, एड्स की रोगियों को मदद करें पर एड्स से बचे। छात्र-छात्रओं के द्वारा नुक्कड़ नाटक का कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमे एड्स होने के कारण व उसके बचाव पर जानकारी दी गयी। डालसा के पीएलवी ने कहा कि एचआईवी व एड्स के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रत्येक वर्ष 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को इस भयावह बीमारी के प्रति जागरूक करना है ताकि इस बीमारी के संक्रमण से लोगों को बचाया जा सके। यह भी ज्ञात हो कि डालसा के पीएलवी के द्वारा मेन रोड चडरी में डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया गया। आसपास के लोगों के घरों में जाकर एड्स से बचने की जानकारी दी गयी। इसके अलावा डालसा के समर्पित पीएलवी ने आगामी 13 दिसम्बर को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी भी दी कहा कि उक्त तिथि को वादकारी उपस्थित होकर अपने चल रहे वादों का निस्तारण सस्ता व सुलभ तरीके से करा सकते है।

# श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में गीता जयंती धूमधाम से मनाई गई

## गीता पाठ व मधुर भजनों में खूब झूमे भक्तगण, कर्म करो और प्रभु का कर लो ध्यान यह है गीता का ज्ञान

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग रांची में गीता जयंती का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच मनाया गया।प्रातःकाल भगवान श्री राधा-कृष्ण की मनमोहक मंगल आरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद मंदिर के पुजारी पंडित अरविंद पांडे ने वैदिक मंत्रोच्चारण एवं संपूर्ण विधि-विधान से विशेष पूजा- अनुष्ठान संपन्न कराया।इस अवसर पर ठाकुरजी का भव्य एवं अलौकिक श्रृंगार विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।स्वर्ण-रजत आभूषणों, सुंदर पुष्प-मालाओं तथा विविध प्रकार के पारंपरिक परिधानों सेअलंकृत श्री राधा-कृष्ण को देख भक्त मंत्रमुग्ध हो उठे। पंडित अरविंद पांडे ने मेवा, फल, मिष्ठान्न एवं विविध प्रकार के व्यंजनों से ठाकुरजी को भोग अर्पित किया तथा गीता पाठ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संपूर्ण अध्यायों का श्रद्धापूर्वक पाठ किया। गीता जयंती के पावन अवसर पर भक्तों में विशेष आध्यात्मिक ऊर्जा एवं भक्ति- भाव देखने को मिला।

भजन जागरण कार्यक्रम में भजन गायक मनीष सोनी एवं उनकी टीम ने श्रीकृष्ण-भक्ति से ओत-प्रोत कई मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी,जिनमें- कर्म करो और प्रभु का कर लो ध्यान यह है गीता का ज्ञान। श्याम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम मीरा का भी श्याम राधा का भी श्याम।।, व्रज में नंद की वंशी बाजे।।, मोरे मन में बसो राधा-कृष्ण।। जैसे भजनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया। भजन गायिका पूजा शर्मा एवं निधि शर्मा ने भी अपनी मधुर वाणी से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। श्रद्धालु भजनों की स्वर-लहरियों में डूबकर लगातार तालझधुन में झूमते रहे।भजन-कीर्तन के पश्चात उपस्थित भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। ताजे फल, मेवे, स्वादिष्ट मिष्ठान्न एवं प्रसाद का सभी ने श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल तथा प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने गीता जयंती का ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व विस्तारपूर्वक बताते हुए कहा कि गीता केवल एक धर्मग्रंथ ही नहीं, बल्कि जीवन का व्यवहारिक मार्गदर्शन और मानवता का संदेश देती है। उन्होंने भक्तों से आग्रह किया कि गीता के उपदेशों को अपने दैनिक जीवन में अपनाकर समाज एवं राष्ट्रहित में योगदान दें। इस अवसर पर-डूंगरमल अग्रवाल, निर्मल जालान, राजेंद्र अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, मधुसूदन जाजोदिया, पूरणमल सर्राफ, संजय सर्राफ, सुरेश अग्रवाल, विशाल जालान, सुरेश भगत, मनीष जालान, सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष उपस्थित थे।

# रमा खलखो बनीं झारखंड महिला कांग्रेस की नवनियुक्त अध्यक्षा, किया पदभार

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड महिला कांग्रेस की नवनियुक्त अध्यक्षा श्रीमती रमा खलखो ने आज कांग्रेस भवन में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में औपचारिक तौर पर पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम में पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्षा अलका लंबा और राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दिपिका पांडे विशेष रूप से मौजूद रहीं। मौके पर सैकड़ों महिला कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

पदभार ग्रहण के मौके पर रमा खलखो ने कहा, मैं कांग्रेस महिला विंग को और भी सशक्त व मजबूत बनाऊंगी। कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान करने के साथ महिलाओं को अधिक से अधिक जोड़ने का काम करूंगी। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, संगठन विस्तार और स्तर पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दिपिका पांडे ने रमा खलखो को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि झारखंड महिला कांग्रेस अब और अधिक मजबूती के साथ काम करेगी तथा प्रदेश की महिलाओं की आवाज बुलंद कर संगठन को नई दिशा, नई ऊर्जा और नया विस्तार देगी। कांग्रेस महिला राष्ट्रीय अध्यक्षा अलका लंबा ने रमा खलखो के नेतृत्व को प्रशंसित करते हुए कहा कि उनका नेतृत्व महिलाओं के संघर्ष, स्वाभिमान और अधिकारों की मजबूत आवाज बनेगा।

अलका लंबा ने यह भी कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के साथ-साथ भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ महिला कांग्रेस अब सड़क से सदन तक प्रखरता से संघर्ष करेगी। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं ने नई अध्यक्ष को बधाई दी और संगठनात्मक काम में सक्रिय भागीदारी का संकल्प व्यक्त किया। पार्टी के प्रतिनिधियों ने बताया कि आने वाले दिनों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, प्रशिक्षण एवं जनसमस्याओं के समाधान के लिए विशेष कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

# सामाजिक न्याय और ओबीसी अधिकार सम्मेलन आयोजित होगा

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** राज्य में ओबीसी समुदाय के उत्थान, संगठित प्रयासों और सामाजिक समानता की दिशा में सार्थक विचार-विमर्श के लिए सामाजिक न्याय और ओबीसी अधिकार सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

उक्त बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने ओबीसी अधिकारी-कर्मचारी मोर्चा की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यह सम्मेलन राज्य के ओबीसी समुदाय के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। इस कार्यक्रम में सरकार के मंत्री, विधायक और वरिष्ठ समाजसेवी भी आमंत्रित किए जाएंगे।

प्रदेश कार्यालय हरमू में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 21 दिसंबर को राज्य स्तरीय सम्मेलन में लगभग 500 अधिकारी, कर्मचारी और बुद्धिजीवी वर्ग के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके लिए संगठन के पदाधिकारियों को विभिन्न जिलों का प्रभारी नियुक्त किया गया है, जो 7 दिसंबर तक अपने-अपने जिलों में बैठक कर समाज के अधिकारियों, कर्मचारियों और बुद्धिजीवियों को आमंत्रित करेंगे।जिला प्रभार इस प्रकार हैंः चतरा-अध्यक्ष लाल बिहारी यादव, खूंटी-महासचिव डॉ. शिवानंद काशी, गिरिडीह-पंकज कुमार सिंह, रामगढ़-नवीन कुमार आर्य, रांची-आनंद किशोर साहू, हजारीबाग-लोकेश कुमार, लोहरदगा-राजीव कुमार, गढ़वा-वविक कुमार, बोकारो-परमेश्वर महतो, गुमला-ओम प्रकाश ओहदार, तथा सिमडेगा -प्रेम कुमार। अध्यक्ष लाल बिहारी यादव ने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी को पूर्ण निष्ठा एवं सहयोग से कार्य करना होगा। महासचिव डॉ. शिवानंद काशी ने बैठक के दौरान राज्यभर में ओबीसी अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु संगठन के स्तर पर किए जा रहे प्रयासों का विवरण प्रस्तुत किया। अंत में उपाध्यक्ष लोकेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

भवदीय,
अशोक कुमार कुशवाहा
मीडिया प्रभारी, हरमू, रांची

# होटल सरताज में आयोजित गायन प्रतियोगिता में शामिल सफल प्रतियोगियों का रिजल्ट

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** ड्रीम नाइट वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा गायन प्रतियोगिता मेरी आवाज सुनो के सिंगिंग कंपटीशन चैलेंजिस का पहला ऑडिशन होटल सरताज में रोड में हुआ, जिसमें झारखंड के आसपास के बच्चे और वेस्ट बंगाल के ड्राी प्रतिड्ढागी शामिल हुए। कुल 66 प्रतिड्ढागी प्रतियोगिता में शामिल हुए। सफल बच्चों को सेकंड राउंड के लिए चयनित कर लिया गया। सफल प्रतियोगियों के सीरियल नंबर इस प्रकार है। 80,83,81,89,92,62,57,58,84,90,61 71,85,68,63,86,67,78,54,67,55, 53 शामिल हैं। सेकेंड राउंड में शामिल प्रतिड्ढागियों का सेकेंड राउंड 21 दिसंबर को आयोजित किया जायेगा। इस संबंध में कार्यक्रम के आयोजक मो इस्लाम गद्दी ने बताया कि प्रथम राउंड में ऐसे प्रतिड्ढागी जो किसी कारण से शामिल नहीं हो सके, वैसे प्रतिड्ढागियों को सेकेंड राउंड में एक मौका दिया जायेगा। जबकि फाइनल राउंड 11 जनवरी को संत लुईस स्कूल सड्ढागार में आयोजित किया जायेगा। कोई प्रतिड्ढागी अगर शामिल होना चाहते हैं, तो मोबाइल नंबर 87897680 और 7369843781 पर संपर्क कर सकते हैं। मंच का संचालन सरावगी गुप्ता ने किया तथा जूरी के रुप में विकास दत्ता और नैना राय ने अहम ड्यूमिका निड्ढाई। ड्रीम नाइट के सड्ढी मेंबर्स एमडी अशरफ खान जावेद पर की वसीम आलम मो कलाम सोहेल खान और नन्नू ड्राई का सहयोग रहा।

# विश्व एडस दिवस पर नुक्कड़ सभा का आयोजन

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** विश्व एडस दिवस पर प्रेमचंद महतो इंटर कॉलेज मेसरा रांची में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया।छात्र-छात्राओं के प्रति एड्स के कारण, बचाव एवं सुरक्षा के प्रति जागृत किया गया। रॉयल कॉलेज आफ नर्सिंग के छात्र-छात्राओं के द्वारा नुक्कड़ सभा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य उमेश यादव ने कहा एचआईवी के पढ़ने मामलों के मुख्य वजह जागरूकता की कमी है उन्होंने कहा एचआईवी से डरने की नहीं समझदारी और सतर्कता की जरूरत है। नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या ज्योति ग्लोरिया मुंडा व्याख्याता सीमा ममता मिंस संजय कुमार हरि मनीष द्विवेदी सुधा तिवारी अनीता रानी शशिकांत कुमार अजय कुमार जेवियर बड़ा ने भी ऐड के प्रति विचार व्यक्त किया

# गरीबों पर चलता है बुलडोजर, बड़े-बड़े अतिक्रमण पर नगर निगम खामोश

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान इन दिनों चर्चा में है, लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि क्या नगर निगम की सख़्ती केवल गरीबों तक ही सीमित है? रांची में लगातार सड़क किनारे छोटे दुकानदारों, रेहड़ी वालों और अस्थायी स्टॉल लगाने वालों पर कार्रवाई होती दिख रही है, लेकिन शहर के कई बड़े और महंगे इलाकों में खुलेआम हो रहे अतिक्रमण पर निगम की चुप्पी गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम का बुलडोजर हमेशा मजबूरों पर चलता है, जबकि पैसे और रसूख वाले लोग बेखौफ हैं। शहर में कई स्थान ऐसे हैं, जहां रोजाना भारी अतिक्रमण हो रहा है, फिर भी उन जगहों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती।

इन जगहों पर रोज होता है अतिक्रमण, पर कार्रवाई शून्य

**1. कांके रोड (कैंब्रियन पब्लिक स्कूल के पास):** स्कूल के आसपास रोज दिनभर गाड़ियां सड़क पर खड़ी रहती हैं। इससे ट्रैफि क जाम आम बात है, लेकिन नगर निगम कभी कार्रवाई नहीं करता।

**2. कृषि विभाग के बाहर :** यहां भी रोज दुपहियाझचौपहिया वाहन सड़क पर कब्जा जमाए रहते हैं। कर्मचारियों और बाहर से आने वालों की पार्किंग की वजह से आम लोगों को भारी परेशानी होती है।

**3. पंचतन्त्र सेंटर मॉल :** मॉल के आसपास प्रतिदिन सड़क पर अवैध पार्किंग होती है। कई बार सड़क आधी तक घिर जाती है, लेकिन कार्रवाई नदारद रहती है।

**4. एस.एस. मेमोरियल कॉलेज :** कॉलेज के सामने गाड़ियों की लंबी कतार रोज सड़क को संकरा कर देती है। यह वर्षों से चल रहा अतिक्रमण है, फिर भी निगम की गाड़ी यहां कभी नहीं पहुंचती।

नागरिकों का कहना है कि यदि नगर निगम सच में शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाना चाहता है, तो उसे एक समान और निष्पक्ष कार्रवाई करनी होगी। केवल गरीब दुकानदारों या अस्थायी विक्रेताओं पर बुलडोजर चलाना न्यायसंगत नहीं है। लोगों का कहना है कि बड़े मॉल, कॉम्प्लेक्स और सरकारीझगैरसरकारी संस्थानों के बाहर होने वाला रोजाना अतिक्रमण भी उतना ही गलत है।

# कुप्पूस्वामी रेस्टोरेंट के मालिक ने की आत्महत्या, कर्ज को लेकर थे तनाव में

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** रांची के जाने-माने रेस्टोरेंट कुप्पुस्वामी के मालिक शंकर नारायण ने अपने ही घर में सुसाइड कर लिया। जगतपुरम स्थित आवास से उनका शव बरामद किया गया है।

**क्या है मामला?**

रांची के कांके थाना इलाके के जगतपुरम कॉलोनी में रहने वाले शंकर नारायण की लाश उनके कमरे में मिली। घटना की जानकारी मिलने पर कांके थाना प्रभारी प्रकाश रजक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस की निगरानी में शव को उतारा गया। कांके थाना प्रभारी ने बताया कि शंकर कुछ समय से कर्ज में डूबे हुए थे और उनके परिवार के मुताबिक, वह इसी वजह से परेशान थे। कर्ज को लेकर ही सुसाइड की बात कही जा रही है। फिलहाल जांच चल रही है और सुसाइड नोट की तलाश की जा रही है।

**परिवार का है होटल का कारोबार :** मूल रूप से केरल के रहने वाले शंकर नारायण के बड़े भाई का भी रांची में होटल का कारोबार है। शंकर के भाई का हजारीबाग रोड पर एक होटल है। शंकर के भाई वेलाई ने बताया कि वह और शंकर हर साल गांव के मंदिर में होने वाली पूजा में शामिल होने के लिए केरल जाते थे। लेकिन, इस बार शंकर नहीं गए। वेलाई के मुताबिक, शंकर पर बाजार का काफी कर्ज हो गया था, जिससे वह डिप्रेशन में थे।

**शंकर ने की थी दो शादियां :** परिवार वालों ने बताया कि शंकर की दो शादियां हुई थीं। उनकी पहली पत्नी की 10 साल पहले मौत हो गई थी। पहली पत्नी से दो

बेटे हैं। उन्होंने छह साल पहले दूसरी शादी की थी, जिसे कोई बच्चे नहीं हैं। शंकर की दूसरी पत्नी ने भी कर्ज को ही अपने पति की मौत की वजह बताई।

**कुप्पूस्वामी का है क्रेज :** शंकर की आत्महत्या ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं कि उन पर ऐसा कौन सा कर्ज था, जिसकी वजह से उन्होंने अपनी जान दे दी। क्योंकि कुप्पूस्वामी रांची में साउथ इंडियन खाने के लिए एक जाना-माना नाम है। कांके रोड स्थित इस रेस्टोरेंट में पूरे रांची से लोग सिर्फ साउथ इंडियन डिश का आनंद उठाने के लिए आते हैं।

# मुस्लिम शासन ने संथाल परगना को दिया विकास : एस. अली

## मुस्लिम विषय को लेकर 5 दिसंबर को राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान

*GANDIV REPORTER*

रांची। साहिबगंज के उधवा मुत्तहेदा मुस्लिम महाज द्वारा रविवार को प्यारपुर बाजार में आयोजित महाबैठक में संथाल परगना क्षेत्र में मुस्लिम समाज के ऐतिहासिक योगदान, मौजूदा चुनौतियों और अधिकारों पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आमया व झारखंड छात्र संघ के अध्यक्ष एस. अली ने कहा कि 12वीं से 18वीं शताब्दी तक संथाल परगना में मुस्लिम शासन रहा, जिसने सामाजिक-सांस्कृतिक विकास और राष्ट्र की एकता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बाद भी आज संथाल परगना के झारखंडी बंगला भाषी मुसलमानों को बांग्लादेशी घुसपैठिया कहकर प्रताड़ित किया जा रहा है, जबकि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार हाईकोर्ट में अब तक स्पष्ट जवाब दाखिल नहीं कर सकी है।

एस. अली ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर झारखंड आंदोलन तक मुस्लिम समाज की सक्रिय भूमिका रही है, लेकिन आज कई अधिकार छिने जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि– 2003-2023 तक जैक से मिली आलिम-फाजिल डिग्री की मान्यता खतरे में है। सहायक आचार्य बहाली में आलिम डिग्रीधारकों का परिणाम रोक दिया गया। राज्य के 543 उर्दू स्कूलों का स्टेटस बदल दिया गया।

**बिहार से मिले 4401 उर्दू सहायक शिक्षक पदों में से 3712 पद खत्म कर दिए गए :** उन्होंने मॉब लिंचिंग पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सदन से पारित भीड़ नियंत्रण रोकथाम बिल अब तक लागू नहीं हो सका। साथ ही वक्फ संपत्तियों का संरक्षण, पशु वध से जुड़े नियम, रोजगार योजनाओं में अल्पसंख्यकों की भागीदारी और सरकारी-निजी नौकरियों में मुस्लिम युवाओं की कम हिस्सेदारी जैसे मुद्दों पर राज्य सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। एस. अली ने घोषणा की कि इन सभी मुद्दों के समाधान की मांग को लेकर 5 दिसंबर 2025 को पूरे राज्य में व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना फारूक हुसैन शम्सी ने की और संचालन हाफिज सईद अख्तर ने। इस अवसर पर मौलाना फजलूल कदीर अहमद, प्रो. नजरूल इस्लाम, अनवर अली, डॉ. नजरूल इस्लाम, अहमद रजा, मुफ्ती मोताहिर हुसैन सहित बड़ी संख्या में उलेमा, सामाजिक कार्यकर्ता और आम लोग मौजूद रहे।

# पशु-पक्षियों के संकेत आज भी कारगर

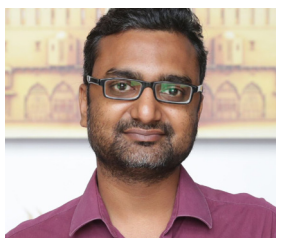

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

इस शोध में यह भी बताया गया कि कैसे पुराने समय में लोग पारिस्थितिकी तंत्र के सदस्यों के व्यवहार से मौसम की भविष्यवाणी करते थे। लोमड़ी, सियार और अन्य जानवरों का व्यवहार भी इस प्रणाली का हिस्सा था। उदाहरण के लिए लोमड़ी खेतों में चूहों की संख्या को नियंत्रित करती है, जो कृषि के लिए अच्छा संकेत है। शोध के अनुसार, राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में जैसे भील, मीणा और बंजारा समुदायों के लोग अभी भी पशु-पक्षियों के संकेतों का पालन करते हैं।

**हाल** ही में राजस्थान के जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग ने एक अध्ययन में यह साबित किया कि पक्षियों के घोंसले बनाने के तरीके से लेकर जानवरों के व्यवहार तक, मौसम के संकेतों को समझा जा सकता है। यह शोध इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल साइंस में प्रकाशित हुआ है। इसमें बताया गया है कि जानवरों के व्यवहार में 80 प्रतिशत तक सटीकता देखी जाती है। यह शोध सिद्ध करता है कि पुराने समय से चली आ रही यह पारंपरिक जानकारी, जो ग्रामीणों द्वारा इस्तेमाल की जाती रही है, अब वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हो चुकी है। उदाहरण के लिए मोर का नृत्य या कूजन मानसून की शुरूआत का संकेत देता है। इसी प्रकार चींटियों का भोजन इकट्ठा करना सूखा पड़ने का संकेत है।

विभाग के एचओडी डॉ. गेमाराम परिहार और उनके शोध दल का कहना है कि प्रकृति के संकेत आज भी कारगर हैं। पशु-पक्षियों के व्यवहार से मौसम का पूवार्नुमान लग जाता है। उनका दावा है कि वैज्ञानिक शोध में इन बातों और तथ्यों की पुष्टि हो चुकी है। उनके शोध में पुरानी प्रथाओं के वैज्ञानिक प्रमाण साबित हुए हैं। शोध का निष्कर्ष है कि पशु-पक्षियों का व्यवहार आज भी मौसम के संकेत बताने में पूरी तरह सक्षम है। शोध में बताया गया है कि पशु-पक्षियों के व्यवहार से मौसम के संकेत सटीक मिलते हैं। यह बात करीब 80 प्रतिशत तक सही साबित हुई है। शोध में दावा किया गया है कि पारंपरिक ज्ञान का आज भी कोई तोड़ नहीं है। इसके संकेत आज भी वैज्ञानिक कसौटी पर भी पूरी तरह कारगर हैं।

इस शोध में यह भी बताया गया कि कैसे पुराने समय में लोग पारिस्थितिकी तंत्र के सदस्यों के व्यवहार से मौसम की भविष्यवाणी करते थे। लोमड़ी, सियार और अन्य जानवरों का व्यवहार भी इस प्रणाली का हिस्सा था। उदाहरण के लिए लोमड़ी खेतों में चूहों की संख्या को नियंत्रित करती है, जो कृषि के लिए अच्छा संकेत है। शोध के अनुसार, राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में जैसे भील, मीणा और बंजारा समुदायों के लोग अभी भी पशु-पक्षियों के संकेतों का पालन करते हैं। उदाहरण के लिए लाल चींटियां जब अपने अंडे इधर-उधर ले जाती हैं, तो यह बारिश के करीब आने का संकेत होता है। यह पारिस्थितिकी तंत्र के इन जानवरों की सूझबूझ को दशार्ता है, जो मौसम की सटीक जानकारी देते हैं।

असल में राजस्थान के मारवाड़ के गांवों में आज भी मौसम के पूवार्नुमान के लिए प्रकृति के संकेतों का अनुसरण किया जाता है। जहां एक ओर विज्ञान ने मौसम की भविष्यवाणी के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का विकास किया है, वहीं दूसरी ओर ये पारंपरिक तरीके आज भी बड़े

काम आते हैं। विश्वविद्यालय का ताजा अध्ययन यह साबित करता है कि पशु-पक्षियों के व्यवहार में मौसम के महत्वपूर्ण संकेत छिपे होते हैं। पशु-पक्षियों और अन्य जानवरों के व्यवहार पर आधारित यह पारंपरिक ज्ञान न केवल ग्रामीणों के लिए, बल्कि वैज्ञानिकों के लिए भी एक महत्वपूर्ण संदर्भ बन चुका है। यह पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्राचीन समय से चली आ रही यह पद्धतियां अब आधुनिक विज्ञान के माध्यम से और अधिक प्रमाणित हो रही हैं।

शोध कहता है कि पक्षियों के पारंपरिक संकेतों के कुछ अर्थ होते हैं। मोरों का नृत्य मानसून की शुरूआत का संकेत देता है। चींटियों का भोजन इकट्ठा करना सूखा पड़ने का संकेत है। सांप का पेड़ों पर चढ़ना बारिश की संभावना का पूवार्नुमान है। वहीं लोमड़ी की उपस्थिति खेतों में चूहों का नियंत्रण होने का संकेत देती है। मौसम के साथ जीवन से भी पक्षियों के संकेत जुड़े हुए हैं, जैसे चिड़िया अथवा गौरैया का घर में घोंसला बनाना खुशहाली और तरक्की का संकेत है। तोता का घर में आना धन लाभ, रुके हुए काम पूरे होने और मां लक्ष्मी की कृपा का सूचक है। उल्लू का घर में दिखाई देना जल्द ही कुछ शुभ होने का संकेत है, क्योंकि यह माता लक्ष्मी का वाहन है। कौवे का घर में आना मेहमानों के आगमन का संकेत देता है। मोर, नीलकंठ और सफेद कबूतर का सुबह-सुबह दिखना पूरे दिन के अच्छा बीतने का संकेत माना जाता है।

इसी तरह पक्षियों के मौसम के संकेत में उनकी उड़ान की ऊंचाई (कम ऊंचाई पर उड़ना बारिश का संकेत है, जबकि ऊंची उड़ानें अच्छे मौसम का संकेत देती हैं), उनकी आवाजें (जैसे उल्लू का बोलना या मोर का नाचना बारिश का संकेत माना जाता है) और उनका भोजन व्यवहार (तूफान से पहले खूब खाना) शामिल है। कुछ प्राचीन और ग्रामीण परंपराएं पक्षियों के घोंसले बनाने की जगह को भी मौसम का सूचक मानती हैं। जब पक्षी जमीन के करीब उड़ते हैं, तो यह बारिश का संकेत माना जाता है। मोर का नाचना, उल्लू का चीखना और गौरैया का धूल में लोटना बारिश का संकेत माना जाता है। यदि कौवे कांटेदार पेड़ों पर घोंसला बनाते हैं, तो बारिश कम होने की संभावना है। वहीं आम या करंज जैसे पेड़ों पर घोंसला बनाना अच्छी बारिश का संकेत है। लाल चींटियों का अपने अंडों को इधर-उधर ले जाना भी बारिश के आने का संकेत है।

इसी तरह पक्षियों का आसमान में ऊंची उड़ान भरना अच्छे मौसम का संकेत होता है। वहीं जोड़े में उड़ने वाले कौवे अच्छे मौसम का संकेत देते हैं। इसी तरह तूफान से पहले पक्षी वसा जमा करने के लिए अधिक सक्रिय हो जाते हैं और खूब खाना खाते हैं। बारिश आने पर मुर्गियां बेचैन हो जाती हैं या धूल में रगड़ती हैं। हंस की छाती की हड्डी का लाल या गहरे रंग का होना ठंडी और तूफानी सर्दी का संकेत हो सकता है। यदि सारस आकाश में गोलाकार परावलय बनाकर उड़ते हैं, तो यह शीघ्र वर्षा का संकेत है। पेड़ों पर दीमक का तेजी से घर बनाना अच्छी वर्षा का संकेत है। जब पक्षी एक साथ इकट्ठा होते हैं और अपने पंख फड़फड़ाते हैं, तो मौसम में बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। वहीं चातक को बारिश का पक्षी माना जाता है। इसका आगमन मानसून के मौसम का संकेत है। इस तरह पशु और पक्षियों की हरकतों को देखकर मौसम का काफी हद तक पूवार्नुमान लगाया जा सकता है।

असल में यह हमारा पक्षियों से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान है, जिसे हमारे पूर्वजों ने पूरा मान और सम्मान दिया है। मनुष्य लंबे समय से पक्षियों के व्यवहार को बदलते मौसमों के बैरोमीटर के रूप में इस्तेमाल करता रहा है। कई लोक कथाएं और किस्से हैं, जो बताते हैं कि पक्षियों की बढ़ती या घटती गतिविधि एक अध्याय के अंत और एक नए अध्याय की शुरूआत का संकेत देती है। हममें से ज्यादातर लोग इस जुड़ाव को भूल चुके हैं, लेकिन कोई भी पक्षी प्रेमी आपको सर्दियों के आखिरी नीरस दिनों में पक्षियों को रंग-बिरंगे रंग में रंगते देखने के उत्साह के बारे में जरूर बता देगा। सामान्य पक्षियों की तरह प्रवासी पक्षी भी कई अनुमान बताते हैं, जैसे मॉकिंगबर्ड और ब्लैकबर्ड का रात भर चहचहाना बताता है कि गर्म दिन आने वाले हैं। कई प्रवासी पक्षी सर्दियों के आगमन अथवा जाने के बारे में इशारा करते हैं।

पक्षियों से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान कई प्रकार का है। यह जीवन के हर क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। अगर केवल पर्यावरण की बात करें तो पक्षियों का अध्ययन (पक्षी विज्ञान) पारिस्थितिकी संतुलन को समझने में मदद करता है, क्योंकि वे कीट नियंत्रण, परागण और बीज प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पक्षी पर्यावरण में हो रहे बदलाव के शुरूआती संकेत देते हैं। उनकी आबादी में गिरावट आवासों के क्षरण या जलवायु परिवर्तन का संकेत हो सकती है। पक्षी कीटों को नियंत्रित करते हैं, बीज फैलाते हैं और परागण में मदद करते हैं, जो मानव द्वारा उपयोग किए जाने वाले कई पौधों के लिए महत्वपूर्ण है।

# मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी के दिन हुआ था श्रीमद्भगवद्गीता का उद्भव

अशोक प्रवृद्ध

**गीता** का चिंतन अज्ञानता के आचरण को हटाकर आत्मज्ञान की ओर प्रवृत्त- प्रवृद्ध करता है। गीता भगवान की श्वास और भक्तों का विश्वास है। श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान का अद्भुत भंडार है। प्रत्येक कार्य का शीघ्र फल पाना मनुष्य का स्वभाव है, परंतु श्रीकृष्ण ने इस ग्रंथ में कहा है कि धैर्य के बिना अज्ञान, दुख, मोह, क्रोध, काम और लोभ से निवृत्ति नहीं मिलेगी। लोक मान्यतानुसार मंगलमय जीवन के ग्रंथ गीता को कलियुग के पापों का क्षय करने का अद्भुत और अनुपम माध्यम माना जाता है। जिसके जीवन में गीता का ज्ञान नहीं, वह पशु से भी बदतर होता है। भक्ति बाल्यकाल से शुरू होना चाहिए। अंतिम समय में तो भगवान का नाम लेना भी कठिन हो जाता है। मंगलमय जीवन का ग्रंथ गीता हमें मरना सिखाती है, जीवन को तो धन्य बनाती ही है। जीवन उत्थान के लिए इसका स्वाध्याय हर व्यक्ति को करना चाहिए। गीता एक ऐसा दिव्य ग्रंथ है, जो हमें पलायन से पुरुषार्थ की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देती है।

मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी के दिन गीता जयंती होने से श्रीमद्भगवद्गीता की सुगंधित फूलों द्वारा पूजा, कर गीता का पाठ करना चाहिए। मान्यता है कि विधिपूर्वक गीता व भगवान विष्णु की पूजा करने तथा यथा शक्ति दानादि करने से पापों

से मुक्ति मिलती है तथा शुभ फलों की प्राप्ति होती है। गीता जयंती के दिन श्रीविष्णु का पूजन करने से उपवासक को आत्मिक शांति व ज्ञान की प्राप्ति होती है व मोक्ष मार्ग प्रशस्त होता है। मोह में फंसे अर्जुन को मार्ग दिखाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता ज्ञान दिया था। गीता का ज्ञान हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। महाभारत के अनुसार जब अर्जुन अपने परिवार को विपक्ष के रूप में देख विचलित होने लगे और उन्होंने भगवान से कहा कि वे अपनों से युद्ध नहीं कर सकते। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से कहा कि मैं युद्ध नहीं करूंगा। मैं पूज्य गुरुजनों तथा संबंधियों को मार कर राज्य का सुख नहीं चाहता, भिक्षान्न खाकर जीवन धारण करना श्रेयस्कर मानता हूं। अर्जुन के सारथी बने श्रीकृष्ण ने अर्जुन को समझाते हुए उन्हें कर्तव्यों और कर्म के बारे में समझाया। साथ ही अर्जुन को आत्मा-परमात्मा से लेकर धर्म-कर्म से जुड़ी अर्जुन की हर शंका का निदान किया। श्रीमद्भगवद्गीता की इसी महता के कारण न केवल भारत अपितु विदेशों में भी गीता जयंती धूमधाम से मनाई जाती है। गीता जयंती के दिन श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ किया जाता है, देश भर के मंदिरों में भगवान कृष्ण और गीता की पूजा की जाती है। कई लोग उपवास रखते हैं, तथा गीता के उपदेश पढ़े और सुने जाते हैं। गीता अज्ञान, दुख, मोह, क्रोध,काम और लोभ जैसी सांसारिक चीजों से मुक्ति का मार्ग बताती है। इसके अध्ययन, श्रवण, मनन-चिंतन से जीवन में श्रेष्ठता का भाव आता है। मान्यतानुसार कल्याणमयी मोक्षदा एकादशी का व्रत करने वाले व्यक्ति के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं और मरने के बाद वह मोक्ष प्राप्त कर लेता है। यह मोक्ष देनेवाली मोक्षदा एकादशी मनुष्यों के लिए चिंतामणि के समान समस्त कामनाओं को पूर्ण करनेवाली है। मोक्षदा एकादशी से संबंधित पौराणिक कथाओं के पढ़ने और सुनने से वाजपेय यज्ञ का फल मिलता है।

**समाप्त**

## झारखंड

# अफीम की खेती के खिलाफ अभियान, 10 एकड़ में लगी फसल को पुलिस ने किया नष्ट

*GANDIV REPORTER*

**लातेहार।** जिले में अफीम की खेती के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई शुरू हो गई है। लातेहार एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर पुलिस ने गुप्त सूचना पर बरियातू थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांव में कार्रवाई करते हुए लगभग 10 एकड़ जमीन में लगाई गई अफीम की फसल को नष्ट कर दिया।

दरअसल लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि जिले के बरियातू थाना क्षेत्र के गुरुवे, बघमरी, कोटना सिमर आदि गांव में अफीम तस्करों के द्वारा बड़े पैमाने पर अफीम की खेती शुरू की गई है। सूचना के बाद एसपी के निर्देश पर थाना प्रभारी रंजन पासवान के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित की गई और अफीम की खेती के खिलाफ

कार्रवाई शुरू की गई।

इस दौरान पुलिस की टीम ने लगभग 10 एकड़ में लगाए गए अफीम के पौधों को नष्ट कर दिया। इस दौरान पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों को अफीम की खेती से दूर रहने और यदि कोई गांव के आसपास अफीम की खेती करता हो तो उसकी सूचना देने के प्रति भी जागरूक किया। ।

**सूचना के तहत हो रही है कार्रवाई :** इधर, इस संबंध में लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बताया कि सरकार के निर्देश पर पुलिस की टीम अफीम की खेती के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि अफीम की खेती के खिलाफ पुलिस ने ग्रामीण इलाकों में जागरूकता अभियान भी चला रखा है।

इससे संभावना है कि इस बार अफीम की खेती कम होगी। लेकिन कुछ स्थानों पर अफीम की खेती की सूचना मिल रही है, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अफीम की खेती के खिलाफ अभियान चलाकर उसे नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि लातेहार-चतरा तथा लातेहार- पलामू जिले के बॉर्डर इलाके के सुदूरवर्ती इलाकों में कहीं-कहीं अफीम की खेती की सूचना मिली थी, वहां भी उसे नष्ट कर दिया गया है।

### पिछले वर्ष 800 एकड़ भूमि में की गई थी अफीम की खेती

एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पिछले वर्ष लातेहार जिले में पुलिस के द्वारा लगभग 800 एकड़ भूमि में अफीम की फसल को नष्ट किया गया था। पुलिस की कार्रवाई से अफीम तस्करों को बड़ा नुकसान हुआ था। इस कारण संभावना है कि लातेहार जिले में अफीम की खेती पर अंकुश लगेगा। उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी सूरत में अफीम की खेती न करें। इसकी खेती से जमीन की उर्वरा शक्ति तो नष्ट होती ही है, आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी नष्ट हो जाएगा।

## अवैध आरा मिल संचालकों की अब खैर नहीं, जिला प्रशासन कर रही है कार्रवाई

*GANDIV REPORTER*

**देवघर।** जिला में अवैध आरा मिल को लेकर जिला प्रशासन लगातार छापेमारी और गश्ती करती दिख रही है। इसी को लेकर पिछले कई दिनों से देवघर जिला के कई इलाकों में छापेमारी जारी है। जिसमें कई इलाकों के अवैध आरा मिल को बंद करने का निर्देश दिया गया।

देवघर उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने बताया कि अवैध आरा मिल पर रोक लगाने के लिए जिला वन पदाधिकारी को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही जहां पर अवैध पेड़ कटाई या फिर वातावरण को हानि पहुंचाई जा रही है, वहां पर तुरंत ही कानूनी कार्रवाई भी की जाती है।

देवघर के जिला वन पदाधिकारी अभिषेक भूषण ने बताया कि पूरे क्षेत्र में फॉरेस्टर की निगरानी में टीम बनाकर जगह-जगह छापेमारी की जा रही है। देवघर के जंगली क्षेत्रों और खनन क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को भी जानकारी दी जाती है और उन्हें जागरूक किया जाता है। यदि कोई भी वन क्षेत्र में अवैध पेड़ की कटाई करें तो तुरंत ही वन विभाग के संबंधित दूरभाष नंबर पर जानकारी साझा करें। उन्होंने बताया कि सिर्फ चालीस आरा मिलों को वन विभाग के तरफ से अधिकृत किया गया है। इसके अलावा जितने भी आरा मिल जिले में चल रहे हैं, वो सभी अवैध और गलत तरीके से संचालित हो रहे हैं। इनें ज्यादातर अवैध आरा मिल सुदूर ग्रामीण और जंगली क्षेत्र में संचालित हैं, जिसकी सूची स्थानीय और वन मित्रों से ली जा रही है। जिला वन पदाधिकारी अभिषेक भूषण ने बताया कि अभी तक जितने भी अवैध आरा मिल की सूचना मिली है। उन सभी जगहों पर निगरानी रखी जा रही है क्योंकि कई बार छापेमारी से पूर्व सूचना मिलने की वजह से आरा मिल के संचालक सचेत होकर बच जाते हैं। बता दें कि देवघर जिला में अत्यधिक वन क्षेत्र रहने के कारण आरा मिल का कारोबार खूब फल-फूल रहा है। ऐसे में बड़े और घने पेड़ों को काटने का सिलसिला जारी है।

## पाकुड़ में महिला के साथ दुष्कर्म करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

*GANDIV REPORTER*

**पाकुड़।** जिले के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र में घटी सामूहिक दुष्कर्म की घटना में शामिल पांच अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पांचों अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जानकारी एसपी निधि द्विवेदी ने पत्रकार सम्मेलन आयोजित करके दी। एसपी निधि द्विवेदी ने बताया कि लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव में मेला देखकर पति के साथ घर लौट रही महिला को पांच मनचलों ने रोका और उसके पति के साथ मारपीट की। जिसके बाद महिला को जबरन दूसरे स्थान पर ले गए, जहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। घटना के बाद पीड़िता को उसका पति लिट्टीपाड़ा थाना लेकर पहुंचा और मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने छापेमारी कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार 5 आरोपियों के बारे में जानकारी दी। पांचों के खिलाफ कांड संख्या 61/25 दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। इधर, एसपी ने आगे बताते हुए कहा कि नगर थाना क्षेत्र में बीते 25 नवंबर को सामूहिक दुष्कर्म की घटी घटना में शामिल चार फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। नगर थाना कांड संख्या 298/25 के फरार अभियुक्त मंगल हेम्ब्रम, मनेल मुर्मू, दुवाल टुडू, गोसो किस्कू को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

# गिरिडीह में जब्त शराब की चोरी व तस्करी मामले में स्पेशल ब्रांच का पूर्व कर्मी सहित तीन गिरफ्तार

*GANDIV REPORTER*

**गिरिडीह।** उत्पाद विभाग ने बड़े स्तर पर जब्त अवैध शराब की चोरी और तस्करी में शामिल एक गिरोह का पदार्फाश किया है। विभाग ने स्पेशल ब्रांच के पूर्व एसपीओ शशि समेत तीन लोगों को जब्त शराब की पेटियों को चोरी कर अवैध रूप से बाजार में खपाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस बात की जानकारी उत्पाद अधीक्षक महेंद्र देव सिंह और एसआई महेंद्र देवगम ने प्रेसवार्ता में दी। पुलिस के अनुसार, शशि कुमार राय, जो पहले स्पेशल ब्रांच का कर्मी था, खुद को स्पेशल ब्रांच का एसपीओ बताकर पुराने सर्किट हाउस के एक कमरे को कब्जे में रखा था और यही से वो उत्पाद विभाग द्वारा जब्त दो हजार शराब की पेटियों को बाजार में खपा रहा था। उत्पाद विभाग के पदाधिकारियों ने रविवार की सुबह गुप्त सूचना के आधार पर अवैध शराब लदी एक कार को सिहोडीह के मां तारा धाबा के समीप पकड़ा। इंडिगो कार में खुद शशि कुमार राय मौजूद था। जबकि उसका दो साथी पंकज यादव और मनोज मंडल (बेंगाबाद निवासी) बाइक से कार के साथ चल रहे थे।

पुलिस को देखकर दोनों भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन टीम ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर खुलासा हुआ कि पुराने सर्किट हाउस से जब्त शराब की पेटियों को चुराने वाला गिरोह का सरगना एसपीओ शशि कुमार ही है। जब उसके कमरे को खंगाला गया, तो उसके कमरे से शराब की 14 पेटियां भी जब्त की गई। जानकारी के अनुसार, गिरिडीह के निमियाघाट से पांच साल पहले जब्त शराब की दो हजार पेटियों को सुरक्षा कारणों से पुराने सर्किट हाउस में रखा गया था। इसी जब्त शराब की संगठित रूप से चोरी की जा रही थी। बताया जाता है कि शशि को कुछ महीने पहले ही स्पेशल ब्रांच से निष्कासित किया गया था। वह इसी पहचान का लाभ उठाकर सर्किट हाउस में कमरा कब्जे में रखे हुए था और वहीं से तस्करी कर रहा था।

RNI NO : JHABIL/2019/85684, Printed and Published by SHREE KANT SINGH on behalf of M/s PAHARI BABA VENTURES PVT LTD and Printed at KHABAR MANTRA PRESS, M/s VRINDA MEDIA PUBLICATIONS PVT LTD, Plot no-342,344 Chiroundi, Boreya Road, Ranchi, Jharkhand-834008 and Published at B-13, JP Market, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand, Ph.-06207706623. Editor- **Amarkant*** responsible for selection of news under the PRB Act.

# हार्मोन्स को बैलेंस रखने के लिए रूटीन में शामिल करें यह पांच आदतें

**भागती दौड़ती जिंदगी में खराब जीवनशैली और खाने-पीने की गलत आदतों की वजह से आज ज्यादातर महिलाएं हार्मोनल असंतुलन की समस्या से जुझ रही हैं। हार्मोनल असंतुलन का मतलब होता है कि शरीर में एक या एक से ज्यादा हार्मोन बहुत कम या बहुत ज्यादा बनने लगते हैं। शरीर में होने वाले इन हार्मोनल उतार-चढ़ाव की वजह से मूड स्विंग्स से लेकर भूख और एनर्जी लेवल तक, हर चीज प्रभावित होने लगती है। ऐसे में हार्मोन को नेचुरल तरीके से बैलेंस करने के लिए व्यक्ति को अपनी डेली हैबिट्स में कुछ बदलाव करने की जरूरत होती है। आइए जानते हैं ऐसे ही 5 अहम बदलाव के बारे में।**

## फाइबर

हार्मोन को नेचुरल तरीके से बैलेंस करने के लिए अपनी डाइट में फाइबर और हेल्दी फैट्स को शामिल करें। फाइबर शरीर से अतिरिक्त हार्मोन को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे हार्मोनल लेवल को बैलेंस करने में मदद मिलती है। जबकि हेल्दी फैट्स हार्मोन प्रोडक्शन के लिए बिल्डिंग ब्लॉक की तरह काम करते हैं। देसी घी हेल्दी फैट्स का एक बेहतरीन स्रोत है। घी हार्मोन के उत्पादन में मदद करता है।

## अच्छी नींद

आपके हार्मोनल स्वास्थ्य को अच्छा बनाए रखने के लिए अच्छी नींद बेहद जरूरी होती है। अच्छी नींद का मतलब है रात को बिना नींद टूटे 7 से 8 घंटे की अच्छी नींद लेना। बॉडी की नेचुरल सर्कैडियन रिदम को बनाए रखने के लिए तय समय पर जागने और सोने की कोशिश करें।

## नियमित व्यायाम

नियमित व्यायाम न केवल आपके हार्मोनल स्वास्थ्य के लिए जरूरी है, बल्कि यह आपकी ओवरऑल फिटनेस के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहने के लिए अपने रूटिन में योग, व्यायाम और कार्डियो जैसी फिजिकल एक्टिविटीज को शामिल कर सकते हैं। व्यायाम से इंसुलिन, कॉर्टिसोल और थाइरॉइड हार्मोन जैसे हार्मोन्स का स्तर संतुलित बना रहता है।

## प्रोसेस्ड फूड्स से करें परहेज

प्रोसेस्ड फूड का अतिरिक्त सेवन हार्मोनल असंतुलन की वजह बन सकता है। ऐसे फूड्स ब्लड शुगर को स्पाइक करके ब्लड शुगर को बढ़ाने का काम करते हैं। जिससे व्यक्ति के शरीर में इंसुलिन प्रभावित होता है। इंसुलिन के असंतुलन से आपको कई तरह की हार्मोन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

## स्ट्रेस से रहें दूर

बॉडी में हार्मोनल संतुलन बनाए रखने के लिए स्ट्रेस लेवल का कंट्रोल रहना बेहद जरूरी होता है। स्ट्रेस बढ़ने से शरीर में कोर्टिसोल का लेवल बढ़ जाता है,जिससे अन्य कई हार्मोन भी गड़बड़ा जाते हैं। ऐसे में स्ट्रेस फ्री रहे के लिए डीप ब्रीदिंग ,मेडिटेशन या फिर सैर पर जाएं।

# खट्टे-मीठे का अद्भुत अनुभव छोड़ता है लेमन राइस

अगर आप कुछ हल्का खाना चाहते हैं, तो लेमन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। इसे बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता और इसका स्वाद आपके मुंह में खट्टे-मीठे का एक अद्भुत अनुभव छोड़ता है। पके हुए चावल के साथ कुछ सामग्री जोड़कर ये डिश तैयार की जा सकती है, जो साउथ इंडिया की पारंपरिक रेसिपी है। इसको बनाना जितना आसान है, इसका स्वाद भी उतना ही लाजवाब होता है।

## बनाने की विधि

सबसे पहले, आपको सारे सामग्री इकट्ठा कर लेनी चाहिए। इसके बाद चने को पानी में कुछ देर के लिए भिगो दें ताकि वे नरम हो जाएं और पकाने में आसानी हो। चने को भिगोने से इसका स्वाद भी चावल में अच्छे से मिल जाता है। जब चने भीग जाएं, तब उन्हें पानी से निकाल लें। अब एक पैन में थोड़ा तेल गर्म करें और उसमें चने, सूखी मिर्च, जीरा, सरसों के बीज, काजू, करी पत्ता और हरी मिर्च डालें। इन सब चीजों को अच्छे से भूनें ताकि मसालों की खुशबू और स्वाद तेल में उतर आए और इसका असर लेमन राइस में भी झलके।

तड़का लगाने के बाद इसमें पके हुए चावल डालें। फिर चावल में नमक और हल्दी डालें और सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें। सभी मसाले चावल के साथ अच्छी तरह मिक्स हो जाने चाहिए ताकि हर निवाले में मसालों का स्वाद महसूस हो। अब आखिर में चावल के ऊपर ताजे धनिया पत्ते और नींबू का रस डालें। जितना चाहें उतना नींबू का रस डाल सकते हैं। इन सबको अच्छे से मिलाएं और आपका लेमन राइस तैयार है। इस रेसिपी से घर पर ही स्वादिष्ट, खट्टा-मीठा लेमन राइस तैयार कर सकते हैं जो हर खाने का मजा बढ़ा देता है।

## सामग्री

लेमन राइस के लिए सबसे पहले आपको पके हुए चावल की आवश्यकता होगी। यह रेसिपी दो कप पके हुए चावल से बनती है। इसके अलावा, एक बड़ा चम्मच चना, सूखी मिर्च, जीरा, सरसों के बीज, काजू, करी पत्ता, हरी मिर्च, अदरक, नमक, हल्दी, धनिया पत्ती, नींबू और तेल की जरूरत होती है। ये सारी सामग्री आपके लेमन राइस में रंग और स्वाद का मिश्रण बनाती हैं, जिससे यह और भी स्वादिष्ट लगता है।

# सर्दियों में सेहत का रखें ख्याल इन चीजों के सेवन से करें परहेज

**सर्दियों में सेहत का खास ख्याल रखना जरूरी है, खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए। इस मौसम में खाने-पीने से जुड़ी कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। यहां कुछ चीजें हैं, जिनसे सर्दियों में परहेज करना चाहिए।**

**चावल का सेवनः** सर्दी के मौसम में चावल खाने से बचना चाहिए, खासकर नए चावल का सेवन। आयुर्वेद भी इसे नुकसानकारी मानता है क्योंकि इससे पाचन पर असर पड़ सकता है और सर्दियों में शरीर में अधिक ठंडक पैदा हो सकती है।

**ड्राई फ्रूट्सः** हालांकि ड्राई फ्रूट्स सर्दियों में सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं, कुछ ड्राई फ्रूट्स डाइयूरेटिक होते हैं। ये शरीर में यूरिन की अधिकता पैदा कर सकते हैं, जो सर्दियों में असहज हो सकता है।

**दहीः** आयुर्वेद के अनुसार दही की तासीर ठंडी होती है, जो सर्दी के मौसम में नुकसान कर सकती है। दही खाने से कफ और पित्त बढ़ सकता है, और जो लोग पहले से एलर्जी या सांस की समस्या से जूझ रहे हैं, उनके लिए दही का सेवन उचित नहीं है।

**बांसी खानाः** बासी खाने से बचना चाहिए, क्योंकि यह शरीर में टॉक्सिन्स जमा कर सकता है, जो पाचन तंत्र को कमजोर कर सकते हैं। साथ ही, बासी खाना खाने से बैक्टीरिया का भी प्रकोप बढ़ सकता है।

**शाम के समय फलः** आयुर्वेद के अनुसार, शाम के समय फल का सेवन नहीं करना चाहिए। इस समय मेटाबॉलिज्म धीमा होता है, जिससे पाचन पर असर पड़ सकता है और रात में फल खाने से ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है, जो नींद में खलल डाल सकता है। इन सावधानियों को ध्यान में रखते हुए आप सर्दियों में अपनी सेहत का ध्यान रख सकते हैं।

# होने वाली दुल्हन के पास जरूर होनी चाहिए यह पांच फुटवियर, हर लुक में लगेंगी बेहद कमाल

**शादी की शॉपिंग के दौरान परफेक्ट फुटवियर का सिलेक्शन करना भी बेहद जरूरी होता है। अगर आप भी होने वाली दुल्हन हैं, तो ये फुटवियर आपको अपने कलेक्शन में जरूर एड कर लेनी चाहिए। शादी का दिन हर लड़की के लिए बहुत ज्यादा स्पेशल होता है। वो इस दिन सबसे खूबसूरत और सबसे स्पेशल दिखना चाहती है इसलिए शादी के कई महीनों भर पहले से ही इसकी तैयारियां भी शुरू कर देती है। वो मार्केट के ढेरों चक्कर लगाकर परफेक्ट लहंगा खरीदना हो, ज्वैलरी हो, बाकी कपड़े हों या मेकअप। हालांकि परफेक्ट वॉर्डरोब में इन सभी चीजों के अलावा परफेक्ट फुटवियर्स का होना भी बेहद जरूरी है। ओवरऑल लुक के साथ अगर परफेक्ट फुटवियर ना कैरी की जाएं तो लुक जरा फीका पड़ जाता है और कई बार हम अनकंफर्टेबल और मिस मैच फुटवियर्स के के चलते फैशन और कंफर्ट दोनों के साथ ही समझौता कर बैठते हैं। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी फुटवियर्स के बारे में बताने वाले हैं, जो आपके पास जरूर होनी चाहिए। ये ना सिर्फ आपको स्टाइलिश लुक देंगी बल्कि कंफर्ट के मामले में भी आपका पूरा-पूरा साथ निभाएंगी।**

## जूती या मोजरी

स्टाइल और कंफर्ट दोनों की बात करें तो जूती से बेहतर शायद कुछ और हो ही नहीं सकता। अगर आप दुल्हन बनने वाली हैं, तो आपको अलग-अलग तरह की कुछ जूती और मोजरी अपने कलेक्शन में जरूर शामिल कर लेनी चाहिए। रंग बिरंगे धागे, एंब्रॉयडरी, मिरर वर्क, मोतियों और सीक्वेंस से सजी जूतियां, आपके हर ट्रेडिशनल आउटफिट के साथ खूब कमाल लगने वाली हैं।

## कोल्हापुरी चप्पल

जूतियों के अलावा कंफर्ट और स्टाइल का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है ट्रेडिशनल कोल्हापुरी चप्पल। ये देखने में काफी ट्रेंडी और रॉयल लगती हैं, जिन्हें आप अपने सूट, साड़ियों और यहां तक ही जींस और कुर्ती के साथ भी बड़े आराम से कैरी कर सकती हैं। ये आपको अलग-अलग रंगों और पैटर्न में मिल जाएंगी, जिनका सोल फ्लैट रखा जाता है। आपको अपने ब्राइडल कलेक्शन में इन शानदार चप्पलों को जरूर शामिल कर लेना चाहिए।

## प्लेटफॉर्म वेजेज

अगर आप हील्स भी पहनना चाहती हैं लेकिन आपको इन्हें कैरी करने में जरा डिस्कंफर्ट फील होता है, तो प्लेटफॉर्म वेजेज आपके लिए परफेक्ट ऑप्शन हैं। ये देखने में भी बेहद स्टाइलिश लगते हैं और काफी कंफर्टेबल भी होते हैं। बेस्ट बात है कि ये ट्रेडिशनल और मॉडर्न स्टाइल दोनों में ही अवेलेबल होते हैं। ऐसे में आप भी अलग-अलग स्टाइल के प्लेफॉर्म वेजेज अपने कलेक्शन में एड कर सकती हैं। जिन्हें ट्रेडिशनल से ले कर वेस्टर्न आउटफिट दोनों के साथ कैरी किया जा सकता है।

## हील वाली सैंडल्स

बिना हील वाली सैंडल्स के ब्राइडल कलेक्शन अधूरा है। अगर आप भी अपने ट्रेडिशनल लुक में ग्लैमर का तड़का एड करना चाहती हैं, तो हील वाली सैंडल्स अपने कलेक्शन में जरूर शामिल करें। ये अलग-अलग तरह के डिजाइन, एंब्रॉयडरी, मेटल वर्क, पर्ल वर्क में अवेलेबल हैं। ऐसे में आप अपने आउटफिट्स को ध्यान में रखते हुए परफेक्ट हील्स खरीद सकती हैं। ये आपके ट्रेडिशनल आउटफिट्स ही नहीं बल्कि हर तरह के वेस्टर्न वियर के साथ भी खूब अच्छी लगेंगी।

## ब्राइडल स्नीकर्स

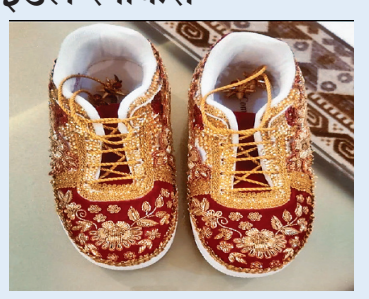

आजकल की ब्राइड्स स्टाइल के साथ-साथ कंफर्ट को भी उतना ही इंपॉर्टेंस देती हैं। इसलिए तो आज ब्राइडल स्नीकर्स काफी ज्यादा ट्रेंड में बने हुए हैं। इन्हें आप अपनी पसंद के हिसाब से कस्टमाइज भी करा सकती हैं। अपनी शादी वाले दिन हेवी लहंगे के साथ कंफर्टेबल स्नीकर्स आपको अच्छा महसूस कराएंगे। इसके अलावा आप इन्हें अपनी बाकी इंडियन और इंडो वेस्टर्न ड्रेसेज के साथ भी आराम से कैरी कर सकती हैं।

## संसद के शीतकालीन सत्र : सभापति सीपी राधाकृष्णन की तारीफ में बोले पीएम मोदी

# काशी में मां गंगा की पूजा के बाद नॉनवेज त्याग दिया

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** विपक्ष के जबरदस्त हंगामे के बीच संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत सोमवार को हो चुकी है। पीएम मोदी राज्यसभा की कार्यवाही में भाग लेने के लिए पहुंचे, इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में सभापति सीपी राधाकृष्णन की जमकर तारीफ की और सदन में उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने सभापति सीपी राधाकृष्णन के काशी में गंगा की पूजा के बाद नॉनवेज त्यागने की घटना का भी जिक्र किया। पीएम मोदी अपने संबोधन में कहा, ह्यआदरणीय सभापति जी आज शीतकालीन सत्र आरंभ हो रहा है और आज सदन के हम सभी सदस्यों के लिए आपका स्वागत करना गर्व का पल है। आपके मार्गदर्शन में सदन के माध्यम से देश को प्रगति की राह पर ले जाने के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा, महत्वपूर्ण निर्णय और उसमें आपका अमूल्य मार्गदर्शन। एक बहुत बड़ा अवसर हम सबके लिए है। पीएम ने सभापति को बधाई देते हुए कहा, मैं सदन की तरफ से, मेरी तरफ से आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं, आपका अभिनंदन करता हूं और आपको शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि इस सदन में बैठे हुए सभी माननीय सदस्य इस उच्च सदन की गरिमा को संभालते हुए, आपकी गरिमा की भी सदा सर्वदा चिंता करेंगे, मयार्दा रखेंगे। पीएम मोदी ने सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने के बाद काशी दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि आप जब पहली बार काशी गए और वहां मां गंगा की पूजा के बाद संकल्प लिया कि आप नॉनवेज नहीं खाएंगे। ये सात्विक भाव आपके मन में काशी की धरती पर विचार आया, मेरे लिए एक सांसद के तौर पर मैं इस घटना को हमेशा याद रखुंगा।

**सीपी राधाकृष्णन के जीवन की दो बड़ी घटनाओं का जिक्र :** पीएम मोदी ने सीपी राधाकृष्णन के जीवन की दो बड़ी घटनाओं का भी जिक्र किया उन्होंने बताया कि मंदिर के तालाब में आपका डूबने की संभावनाओं की बीच की अवस्था, उस दौरान ईश्वर ने आपकी सहायता की। दूसरा जो हम सब बहुत बारीकी से जानते हैं की जब कोयंबटूर में लाल कृष्ण आडवाणी की यात्रा होने वाली थी, उसके कुछ वक्त पहले एक बड़ा बम धमाका हुआ। जिसमें कई लोग मारे गए। उस समय आप बार-बार बच गए थे। इन दोनों में जब आपने ईश्वरीय शक्ति का संकेत देखते हुए अपने आप को समाज के प्रति समर्पित भाव से वजह के रूप में परिवर्तित किया ये अपने सकारात्मक सोच से भरा हुआ जीवन का प्रतिबिंब है।

**सामान्य परिवार से आते हैं हमारे सभापति :** पीएम ने सभापति के बारे में बात करते हुए कहा, हमारे सभापति जी एक सामान्य परिवार से आते हैं, किसान परिवार से निकले हैं और पूरा जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित किया है। समाज सेवा उनकी निरंतरता रही है, राजनीतिक क्षेत्र उसका एक पहलू रहा है। लेकिन, मुख्यधारा समाज सेवा की रही है, समाज के प्रति समर्पित होकर जितना कुछ अपने युवाकाल से लेकर अबतक वो करते रहे हैं, वो हम सभी समाज सेवा के प्रति रुचि रखने वाले लोगों के लिए प्रेरणा है, मार्गदर्शन है।

**आपसे लंबे समय से परिचित :** पीएम ने आगे कहा, आपका यहां तक पहुंचना भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। ये मेरा सौभाग्य रहा है कि मैं आपसे लंबे समय से परिचित रहा हूं, सार्वजनिक जीवन में साथ-साथ करने का अवसर भी मिला है। लेकिन, प्रधानमंत्री के रूप में मुझे जब यहां दायित्व मिला और मैंने आपको अलग-अलग जिम्मेदारियों पर काम करते हुए देखा, तो मेरा मन पर अतिशय सकारात्मक भाव जगना बहुत स्वाभाविक था। पीएम मोदी ने कहा, आदरणीय सभापति आपके व्यक्तित्व में सेवा, समर्पण, संयम से हम भलीभांति परिचित हैं। वैसे आपका जन्म तो डॉलर सिटी में हुआ और उसकी अपनी एक पहचान है। लेकिन, इसके बावजूद भी आपने अपनी सेवा का क्षेत्र अंत्योदय को चुना।

## धनखड़ का जिक्र कर नए चेयरमैन से बोले उम्मीद है आप बुरा नहीं मानेंगे... : खरगे

*GANDIV REPORTER*

**नयी दिल्ली।** संसद के शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन विपक्ष ने पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ का जिक्र कर दिया है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि दुख है कि सदन को उन्हें विदाई देने का मौका नहीं मिला। खास बात है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत के पाद सीपी राधाकृष्णन सभापति के तौर पर पहली बार सत्र संभाल रहे हैं। धनखड़ ने जुलाई में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दे दिया था। खरगे ने कहा, ...मुझे उम्मीद है कि आप इस बात का बुरा नहीं मानेंगे कि मुझे आपके पहले राज्यसभा के चेयरमैन के अचानक पद छोड़ने का जिक्र करना पड़ रहा है। पूरे सदन का संरक्षक होने के नाते सभापति जितना सरकार के होते हैं, उतना ही विपक्ष के भी होते हैं। मुझे इस बात का दुख है कि सदन को उन्हें विदाई देने का मौका नहीं मिला। पूरे विपक्ष की तरफ से हम उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं। उन्होंने कहा, यहां सर्वपल्ली राधाकृष्णन की बात का जिक्र करना उचित होगा। 16 मई 1952 को उन्होंने कहा था कि मैं किसी पार्टी का नहीं हूं। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि कई लोग दावा कर रहे हैं कि आप उनकी पार्टी के हैं...। उन्होंने कहा, अगर लोकतंत्र विपक्ष को सरकार की नीतियों की उचित, मुक्त आलोचना करने की अनुमति नहीं देता है, तो लोकतंत्र के अत्याचार में बदलने की संभावना होती है। ऐसा सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत हंगामेदार रहने और इसमें गतिरोध पैदा होने के आसार हैं। सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। रविवार को अधिकतर विपक्षी दलों ने एक सुर में यह मांग उठाई कि विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पर चर्चा कराई जानी चाहिए। हालांकि, सरकार ने कहा कि संसद की कार्यवाही अच्छी तरह चलनी चाहिए और वह गतिरोध की स्थिति को टालने के लिए विपक्षी दलों के साथ बातचीत जारी रखेगी।

## शिवसेना शिंदे गुट के 35 विधायक टूटेंगे : राउत

*GANDIV REPORTER*

**मुंबई।** शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने एकनाथ शिंदे और भाजपा की आलोचना की। राउत ने कहा कि शिवसेना शिंदे के 35 एमएलए टूटने वाले हैं। भाजपा ने इसी वजह से रवींद्र चव्हाण को नियुक्त किया है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने मंगलवार को होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों में मतदान के बारे में बात करते हुए कहा, शिंदे गैंग ने कहा है कि लक्ष्मी दर्शन होगा। अब चुनाव आयोग को यह जानकारी लेनी चाहिए कि कितने लोगों ने इस लक्ष्मी के दर्शन किए हैं। स्वास्थ्य कारणों की वजह से करीब एक महीने से बैठक व समारोहों के अलावा मीडिया से दूर रहे राऊत एक बार फिर से सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने बीमार रहने के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के द्वारा हालचाल पूछने के लिए उनका धन्यवाद किया। राऊत ने कहा कि, ह्मेरे स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। ठीक होने में कुछ समय लगता है।

उद्धव ठाकरे मुझ पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। अभी भी मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है। संजय राउत ने कहा कि मुझे यकीन है कि दिसंबर के बाद मैं पूरी तरह ठीक हो जाऊंगा। रेडिएशन वाला हिस्सा खत्म हो गया है। रिकवरी चल रही है। राज ठाकरे भी दो दिन में मुझसे मिलने आएंगे। उनके और हमारे परिवार के बीच गहरे रिश्ते हैं। मेरी बीमारी के बारे में सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी मुझे फोन कर जानकारी ली। राजनीति अलग है और व्यक्तिगत जीवन अलग होता है। सभी ने उनके स्वास्थ्य को लेकर जानकारी ली। नगर निगम और नगर पंचायत के चुनावों में पैसे का ऐसा खेल पहले कभी नहीं हुआ। हालांकि सरकार ये चुनाव नहीं लड़ रही थी, बल्कि लोकल लेवल पर कार्यकर्ता लड़ रहे थे। राउत ने कहा कि नगर निगम और नगर पंचायत के चुनावों में पैसे का ऐसा खेल पहले कभी नहीं हुआ। हालांकि सरकार ये चुनाव नहीं लड़ रही थी, बल्कि लोकल लेवल पर कार्यकर्ता लड़ रहे थे। अब इन चुनावों के लिए 5 से 6 हेलीकॉप्टर और प्राइवेट प्लेन इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

यह नगर निगम चुनावों के लिए सत्ता में बैठी 3 पार्टियों के बीच मुकाबला है। संजय राउत ने यह सवाल उठाया कि इतने करोड़ रुपये खर्च करने के बाद आप किसके लिए लड़ रहे हैं? साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि इस राज्य की चुनावी संस्कृति पूरी तरह से खत्म हो गई है। देवेंद्र फडणवीस की सरकार ने पिछले चार-पांच सालों में इस राज्य की चुनावी संस्कृति को खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमें हटाने की कोशिश की थी। लेकिन, हम इससे बाहर निकल गए। राउत ने शिंदे को लेकर कहा कि उन्हें लगता है कि दिल्ली के दो नेता उनके पीछे हैं। लेकिन, वे किसी के नहीं हैं। शिंदे की पार्टी में फूट है। यह अमित शाह का बनाया हुआ ग्रुप है। उन्होंने कहा कि पैसे के दम पर चुनाव लड़ना डेमोक्रेसी नहीं है।

## पाक में हमलावरों ने बलूचिस्तान प्रांत के एफसी हेडक्वार्टर को बनाया निशाना, 6 जवानों की मौत

*GANDIV REPORTER*

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के नोकुंदी इलाके में स्थित चगाई में फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) के मुख्यालय के मेन गेट पर आत्मघाती हमला होने की खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक इस हमले में 6 जवानों की मौत होने की पुष्टि है। यह हमला कथित तौर पर बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट की सादओ ऑपरेशनल बटालियन द्वारा किया गया। वहीं यह भी जानकारी है कि सभी हमलवरों को भी मारा गिराया गया है।

विस्फोट इतना जबरदस्त था कि मुख्य द्वार पूरी तरह नष्ट हो गया और पास की दीवारों को भारी नुकसान पहुंचा। पाकिस्तानी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मुख्य प्रवेश द्वार पर हमले के तुरंत बाद हथियारबंद हमलावर नोकुंडी स्थित स्नष्ट मुख्यालय के अंदर घुस गए।

मुख्यालय परिसर के भीतर भी हमलावरों और जवानों पर बीच झड़प हुई। हमले के मद्देनजर, सभी संबंधित अस्पतालों में आपातकाल घोषित कर दी गई है। घटनास्थल पर सहायता के लिए क्वेटा से 2 हेलीकॉप्टर रवाना किए गए हैं। हालांकि, किसी भी समूह ने अभी तक इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

हाल के दिनों में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सुरक्षा ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। इस श्रृंखला की शुरूआत 11 मार्च को उस समय हुई, जब उग्रवादियों ने करीब 440 यात्रियों को ले जा रही एक ट्रेन पर बड़ा हमला किया। इसके बाद यह ट्रेन लगातार निशाने पर बनी रही। जून, अगस्त, सितंबर और अक्टूबर के महीनों में भी इस ट्रेन को टारगेट करते हुए कई धमाके और रॉकेट हमले किए गए थे।

## पिपरिया-बरेली रोड पर बना पुल भरभरा कर गिरा, दस लोग घायल, कई गंभीर

*GANDIV REPORTER*

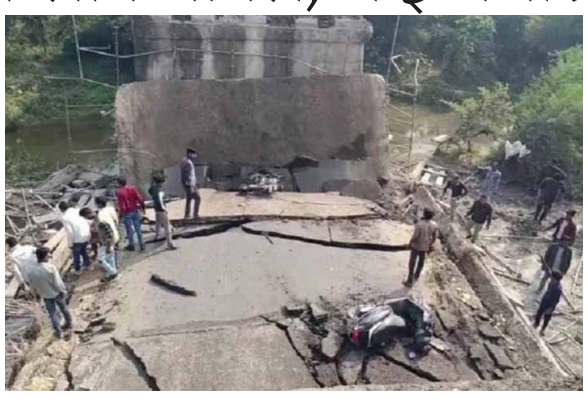

**रायसेन।** एमपी के रायसेन जिले में एक बड़ा हादसा हो गया। बरेली-पिपरिया रोड पर बना नयागांव पुल अचानक से भरभरा कर गिर गया। हादसे में चार लोग घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जब पुल गिरा उस समय यातायात चालू था। पुल के ऊपर से वाहन गुजर रहे थे। पुल टूटने की वजह से पूरी सड़क पर यातायात बंद कर दिया गया है। सभी घायलों को राबरेली के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार हादसे के वक्त दो मोटरसाइकिल पुल से गुजर रही थीं। पुल के साथ ये भी नीचे आ गिरी। इनमें से एक सिहोर जिले के रहने वाले हैं, वहीं दूसरे बरेली के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार पुल के नीचे काम चल रहा था। पुल को नीचा गिरते देख काम कर रहे मजदूर वहां से भागे और अपनी जान बचाई। कुछ मजदूर घायल भी हो गए हैं हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई है। प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। पुल के गिरने के कारणों की जांच की जा रही है। ये पुल करीब 35 साल पुराना बताया जा रहा है।

## दिल्ली ब्लास्ट में गिरफ्तार शाहीन के घर लखनऊ में एनआईए की छापेमारी, भाई-पिता से पूछताछ

*GANDIV REPORTER*

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ के खंदारी बाजार क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब सोमवार सुबह राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम दिल्ली विस्फोट कांड की मुख्य आरोपी डॉ शाहीन के घर पहुंची। एनआईए के अधिकारियों ने डॉ शाहीन के आवास पर करीब छह घंटे तक छापेमारी की और घर की गहन तलाशी ली। घर में मौजूद शाहीन के पिता और भाई शोएब से पूछताछ भी की। कुछ दस्तावेज और इलेक्ट्रानिक डिवाइस कब्जे में लेने की बात कही जा रही है। टीम के बाहर निकलने पर मीडिया ने बात करने की भी कोशिश की लेकिन किसी सदस्य ने कोई जवाब नहीं दिया। दिल्ली में पिछले महीने लाल किले पर हुए कार ब्लास्ट में डॉ शाहीन को मुख्य साजिशकर्ता बताया जा रहा है। इस मामले में पहले ही कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और जांच के दौरान नाम सामने आने के बाद एटीएस ने शाहीन के भाई परवेज को भी लखनऊ से गिरफ्तार किया था। परवेज अलग घर लेकर रहता था। तब उसके घर से दस्तावेज, लैपटॉप, मोबाइल फोन और अन्य संदिग्ध सामग्री जब्त की गई थी।

आज एनआईए के पहुंचने पर इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। खंदारी बाजार की कई गलियों में आम लोगों की आवाजाही भी रोक दी गई। बताया जा रहा है कि टीम में फॉरेंसिक विशेषज्ञ भी शामिल हैं। अलसुबह करीब छह बजे टीम शाहीन के घर पहुंची और एक-एक कोने की गहन तलाशी ली है।

शाहीन के घर आठ सदस्यीय एनआईए की टीम पहुंची थी। इसके अलावा दो अन्य टीमें भी लखनऊ पहुंची हैं। एक टीम शाहीन के भाई परवेज के घर पहुंची है और दूसरी टीम शहीन के एक करीबी के घर पर छापेमारी के लिए गई है। शाहीन की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में लगातार हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। पता चला है कि शाहीन महिला जेहादियों का दस्ता तैयार करती थी और वीडियो कॉलिंग के जरिए उन्हें अल्लाह के नाम पर ट्रेनिंग दी जाती थी। उनका माइंड वाश किया जाता था।

## भारतीय नौसेना समंदर में बनने जा रही है गेम चेंजर, जल्द मिलेगी अनमैन्ड बोट मातंगी

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** इंडियन नेवी में अनमैन्ड बोट यानी ऑटोनमस सर्वे वेसल शामिल हो रही है, जिसका नाम मातंगी रखा गया है। अभी 4 बोट नेवी को मिलने की प्रक्रिया चल रही है और कुल 12 ऐसी बोट बनाई जा रही हैं। ये स्वदेशी हैं। 12 में से 2 बोट इंडियन आर्मी को भी मिलेंगी। अनमैन्ड बोट से नेवी की निगरानी की क्षमता भी बढ़ेगी और इनका इस्तेमाल माइंस क्लियरेंस के लिए भी किया जा सकेगा।

नेवी के लिए अनमैन्ड बोट स्वदेशी कंपनी सागर डिफेंस बना रही है। पहली बार भारत में अनमैन्ड बोट बन रही है। सागर डिफेंस के लिए फाउंडर निकुंज ने कहा कि चार बोट इंडक्शन फेज में हैं और ऐसी 12 बोट बन रही हैं। ये बोट 60-65 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है और इसे सेटेलाइट से ऑपरेट कर सकते हैं। उसमें गन लगी है और इसमें लॉइटरिंग एम्युनिशन भी लग सकता है।

ये बोट एक तरीके से पानी का ड्रोन है और स्वॉर्म ड्रोन की टेक्नॉलजी की तरह इसे भी स्वॉर्म टेक्नॉलजी बेस पर बनाया गया है। मतलब कई बोट आपस में एक साथ नेटवर्क के जरिए जुड़ी होंगी। इन सबको मिशन कंट्रोल स्टेशन से ऑपरेट किया जा सकता है और एक बार बोट को मिशन बता दिया तो फिर से पूरा काम खुद कर लेगी। मिशन कंट्रोल जिस बोट पर है या जहां जमीन पर है अगर वह डैमेज हो जाता है तो स्वॉर्म नेटवर्क से जुड़ी बोट में से ही कोई बोट खुद मिशन कंट्रोल बोट बन जाएगी और सब बोट मिलकर मिशन पूरा करेंगी।

इनमें आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया गया है। जब यह पेट्रोलिंग पर निकलेगी और सामने कोई फिशिंग बोट या दूसरा ऑब्जेक्ट आता है तो यह खुद ही दांये बांये होकर टकराने से बचेगी । निगरानी के लिए गई अनमैन्ड बोट लगातार लाइव फीड भेजेगी और इसे दूर से कंट्रोल किया जा सकेगा। निगरानी के लिए इनका इस्तेमाल किया जाएगा लेकिन इसमें हथियार फिट कर दुश्मन के नजदीक भेजकर दूर से ही उस पर अटैक किया जा सकता है।

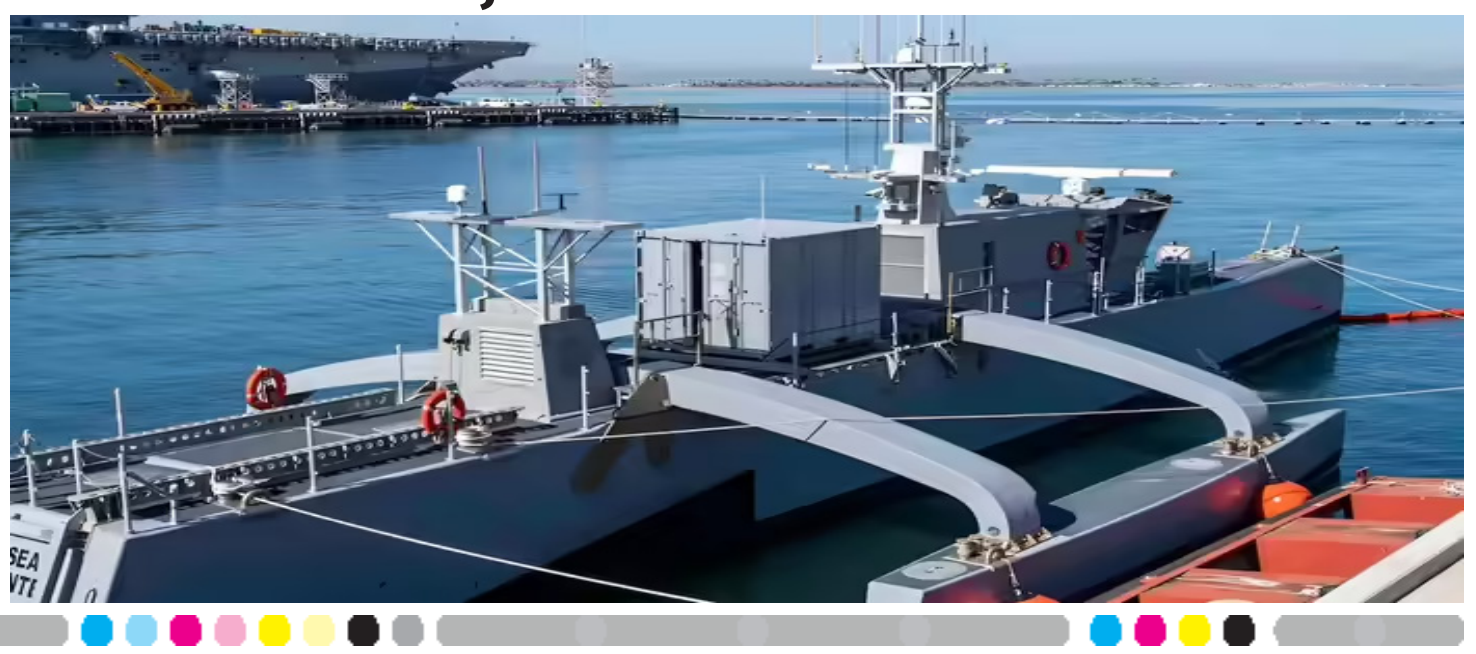

### दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की

# रोमांचक मैच में दक्षिण अफ्रीका को भारत ने 17 रनों से हराया

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** कॉर्बिन बॉश (67) का अखिर तक किया गया संघर्ष गया बेकार, भारत ने विराट कोहली (135) की शतकीय, रोहित शर्मा (57) और केएल राहुल (60) की अर्धशतकीय पारियों के बाद कुलदीप यादव (चार विकेट) हर्षित राणा (तीन विकेट) दमदार प्रदर्शन की बदौलत रविवार को दक्षिण अफ्रीका को पहले एकदिवसीय मुकाबले में 17 रनों से हराया। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली।

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजो विशेषकर निचले क्रम ने जिस तरह का संघर्ष दिखाया, वह काबिल-ए-तारीफ था। उनके चार से आठ नंबर के पांच बल्लेबाजो ने 35 से ऊपर का स्कोर बनाया और अपनी टीम को 11 रन पर तीन विकेट और 77 रन पर चार विकेट से उबारने की पूरी कोशिश की। केवल 39 गेंदों में 80 रन बनाकर मार्को यानसन अफ्रीकी टीम की मैच में वापसी कराये। इसके बाद कॉर्बिन बॉश संघर्ष करते हुए टीम को जीत के मुहाने तक ले गये, लेकिन जीत दिलाने में विफल रहे। 350 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत बेहद खराब हुई और उसने मात्र 11 रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। दूसरे ही ओवर में हर्षित राणा ने रायन रिकलटन और क्विंटन डी कॉक को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया। इसके बाद पांचवें ओवर में अर्शदीप सिंह ने कप्तान एडन मारक्रम (सात) को अपना शिकार बना लिया। इसके बाद मैथ्यू ब्रीत्जके और टोनी डीजॉर्जी ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए 66 रन जोड़े।

15वें ओवर में कुलदीप यादव ने टोनी डीजॉर्जी (39) को पगबाधा कर भारत को चौथी सफलता दिलाई। डेवाल्ड ब्रेविस (37) को हर्षित राणा ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्को यानसन ने मैथ्यू ब्रीत्जके के साथ मिलकर एक बार फिर से पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 97 रनों की साझेदारी ने दक्षिण अफ्रीका को मैच में बनाये रखा। ऐसे समय में 34वां ओवर कर रहे कुलदीप ने पहले मार्को यानसन को आउट किया। मार्को यानसन ने 39 गेंदों में आठ चौके और तीन छक्के लगाते हुए 70 रन बनाये।

इसके उन्होंने मैथ्यू ब्रीत्जके को आउटकर पवेलियन भेजकर मैच भारत की झोली में डाल दिया । मैथ्यू ब्रीत्जके ने 80 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए 72 रनों की पारी खेली। प्रीनेलान सुब्रायेन (17) आठवें विकेट के रूप में आउट हुये। उन्हें भी कुलदीप यादव ने आउट किया। 47वें ओवर की अर्शदीप ने नांद्रे बर्गर (17) को आउटकर 312 के स्कोर पर भारत को नौवीं सफलता दिलाई।आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने कॉर्बिन बॉश को रोहित शर्मा के हाथों कैच आउट कराकर 332 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत कर दिया। निचले क्रम के बल्लेबाज कॉर्बिन बॉश ने 51 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए अपनी टीम को जीत दिलाने के लिए आखिर तक संघर्ष किया। भारत के लिए कुलदीप यादव ने चार विकेट लिये। हर्षित राणा को तीन विकेट मिले। अर्शदीप सिंह ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। प्रसिद्ध कृष्णा को एक विकेट मिला।

## विराट कोहली का बयान : मैं सिर्फ एक ही फॉर्मेट खेल रहा हूँ

*GANDIV REPORTER*

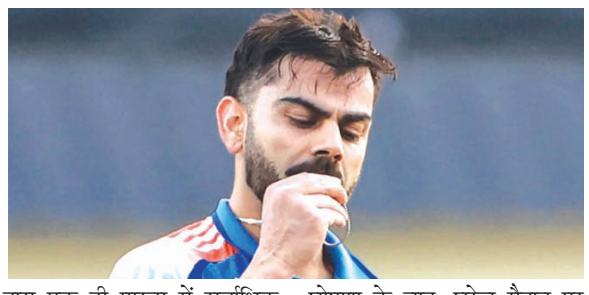

**रांची।** रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में अपनी टीम की जीत और मैच जिताऊ शतक के बाद, भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने अपनी तैयारी और खेल के प्रति अपने दृष्टिकोण के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह ज्यादा तैयारी में विश्वास नहीं रखते, बल्कि उनका सारा क्रिकेट मानसिक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह खेल का सिर्फ.एक ही प्रारूप खेलेंगे। 2027 के वनडे विश्व कप से पहले अपने वनडे भविष्य को लेकर चल रही तमाम चचाओं के बीच विराट ने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करना जारी रखा।

कोहली ने अपना 52वां वनडे शतक जड़ा और एक बल्लेबाज द्वारा एक ही प्रारूप में सर्वाधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया। 120 गेंदों में 11 चौकों और सात छक्कों की मदद से विराट ने 135 रन बनाए, जिससे यह हाल के दिनों में उनके सबसे यादगार शतकों में से एक बन गया। मैच के बाद की प्रस्तुति के दौरान बोलते हुए, विराट ने कहा कि वह आनंद के माहौल में रहना चाहते हैं। इस साल मई में संन्यास की घोषणा के बाद, घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 0-2 से मिली हार के बाद बीसीसीआई द्वारा उनसे टेस्ट क्रिकेट में वापसी का अनुरोध किए जाने की मीडिया रिपोर्टों के बीच, विराट ने स्पष्ट किया कि वह खेल का केवल एक ही प्रारूप खेल रहे हैं और यह इसी तरह चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि आज इस तरह से मैच में उतरना वाकई बहुत अच्छा लगा।

## सुनील गावस्कर ने एक दिवसीय क्रिकेट के सर्वकालिक महान खिलाड़ी के रूप में कोहली की सराहना की

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** गावस्कर ने जियोस्टार से कहा, मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई शक है। मेरा मतलब है कि यह सिर्फ मैं नहीं सोचता हूं। मुझे लगता है कि जो लोग उनके साथ और उनके खिलाफ खेले हैं वे सभी इस बात से सहमत हैं कि वह एकदिवीय प्रारूप में सबसे महान हैं। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने रविवार को विराट कोहली को अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर बताया और कहा कि इस भारतीय दिग्गज के शतकों का विश्व रिकॉर्ड इस प्रारूप में उनके बेजोड़ कद को दिखाता है। कोहली ने रविवार को अपना 52वां एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय शतक बनाया जिसमें उन्होंने 120 गेंद पर 135 रन की पारी खेली जिससे भारत ने पहले एकदिवसीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आठ विकेट पर 349 रन बनाए।गावस्कर ने जियोस्टार से कहा, मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई शक है। मेरा मतलब है कि यह सिर्फ मैं नहीं सोचता हूं। मुझे लगता है कि जो लोग उनके साथ और उनके खिलाफ खेले हैं वे सभी इस बात से सहमत हैं कि वह एकदिवीय प्रारूप में सबसे महान हैं। उन्होंने कहा, देखिए, आपने 52 शतक बनाए हैं। यह आपको बहुत ऊपर ले जाता है, ऐसा कह सकते हैं। भारत के पूर्व कप्तान ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग ने भी कोहली की काबिलियत को माना था। गावस्कर ने कहा, मैंने अभी सुना कि रिकी पोंटिंग ने कहा कि उन्होंने जिन्हें देखा है उनमें कोहली एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ हैं। मेरा मतलब है कि जब कोई ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कहता है कि कोहली सबसे अच्छे हैं तो मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई बहस की गुंजाइश है। हर कोई इस बात से सहमत होगा कि किसी ऑस्ट्रेलियाई से तारीफ मिलना बहुत कम होता है। गावस्कर ने कहा कि सचिन तेंदुलकर के 51 एकदिवसीय शतक के लंबे समय के रिकॉर्ड को पार करना कोहली को अलग पहचान दिलाता है। उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि सचिन 51 शतक के साथ शीर्ष पर थे लेकिन जब आप महान सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ देते हैं तो आपको पता चलता है कि आप कहां खड़े हैं। गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के कोच शुक्री कॉनराड की भारत पर विवादित घुटने पर लाने वाली टिप्पणी को गलत सलाह वाली टिप्पणी बताया। उन्होंने कहा, यह एक गलत सलाह वाली टिप्पणी हो सकती है - गलत समय, गलत जगह। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मीडिया से बात करते हुए वह इस पर बात करेंगे। मुझे नहीं लगता कि माफी मांगने की जरूरत है। मैं निजी तौर पर माफी में विश्वास नहीं रखता। गावस्कर ने कहा, लेकिन इसे मानना और इसकी भरपाई करना सभी को मंजूर होगा। ऐसी चीजें होती हैं। जोश में आकर आप बहक सकते हैं और कुछ ऐसा कह सकते हैं जो थोड़ा अधिक हो जाए। पिछले 30 वर्षों में भारतीय और दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के बीच मजबूत रिश्तों को देखते हुए मुझे लगता है कि वह बस यह साफ कर सकते हैं कि वह थोड़ा बहक गए थे।

## भारत ने ईरान को हराकर एएफसी अंडर-17 एशियन कप 2026 के लिए किया क्वावीफाई

*GANDIV REPORTER*

**अहमदाबाद।** भारत ने अहमदाबाद के ईकेए एरिना में ग्रुप डी के आखिरी मैच में ईरान को 2-1 से हराकर एएफसी अंडर-17 एशियन कप 2026 में जगह बना ली है। भारत के लिए डल्लालमुओन गंगटे और गुनलेइबा वांगखेइराकपाम ने 1-1 गोल किए। भारत ने दसवीं बार इस टूनार्मेंट में जगह बनाई है। ईरान सात अंकों के साथ मैच में फेवरेट के तौर पर उतरा था, बिना हारे और आगे बढ़ने के लिए उसे सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी।

भारत के चार अंक थे और जीत ही टीम को एएफसी अंडर-17 एशियन कप 2026 में जगह दिला सकती थी। भारतीय टीम ने मुश्किल लक्ष्य को आखिरकार हासिल किया। इस जीत के साथ भारत के सात अंक हो गए, जो ईरान के बराबर थे, लेकिन हेड-टू-हेड भारत आगे था और यह अंतर भारत के क्वालिफिकेशन के लिए काफी था।

ईरान के लिए 19वें मिनट में अमीररेजा वलीपुर ने गोल किया। भारत की तरफ से 45+1 मिनट में डल्लालमुओन गंगटे ने पहला गोल करते हुए स्कोर की बराबरी कराई। इसके बाद 52वें मिनट में गुनलेइबा वांगखेइराकपाम ने गोल करके निर्णायक बढ़त दिला दी। शुरूआत में ईरान ने दबाव बनाया था और बॉल को तेजी से अपने नियंत्रण में रखते हुए आगे बढ़ाया था।

भारत के गोलकीपर राजरूप सरकार को दो जरूरी बचाव करने पर मजबूर किया। इसके बाद भारतीय टीम ने दबदबा दिखाया। हाफ-टाइम शुरू होते ही, बाईं ओर से आए एक कॉर्नर ने ईरानी बॉक्स के अंदर अफरा-तफरी मचा दी। जैसे ही लोग टकराए और बॉल खतरनाक तरीके से इधर-उधर हुई, हीरंगनबा सेराम गिर गए। रेफरी ने सीधे स्पॉट की ओर इशारा किया। 46वें मिनट में, दबाव में ठंडे पड़े डल्लालमुओन गंगटे आगे आए और पहला गोल किया।

## संजू सैमसन की पारी से केरल ने छत्तीसगढ़ को हराया

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** संजू सैमसन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर वापसी करते हुए 15 गेंद में 43 रन की आक्रामक पारी खेलकर सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के एलीट ग्रुप ए मैच में छत्तीसगढ़ के खिलाफ केरल को आठ विकेट से जीत दिलाई। सैमसन ने अपनी पारी में पांच छक्के जड़े जिससे केरल ने महज 10.4 ओवर में ही जीत के लिए मिले 121 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।

छत्तीसगढ़ की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में महज 120 रन ही बना सकी। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व तेज गेंदबाज केएम आसिफ ने 16 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह को खाता खोले बिना चलता कर छत्तीसगढ़ को बड़ा झटका दिया।

छत्तीसगढ़ के लिए सिर्फ संजीत देसाई (23 गेंदों में 35 रन) ही कुछ बड़े शॉट लगा पाए लेकिन टीम की पारी लय हासिल करने में नाकाम रही। सैमसन ने लक्ष्य का पीछा करते हुए शीर्ष क्रम में मोर्चा संभाला और केरल ने 56 गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली। सैमसन को एशिया कप से शुभमन गिल की टी20 टीम में वापसी के बाद मध्यक्रम में बल्लेबाजी कराई जा रही थी लेकिन वह इस स्थान पर कभी सहज नहीं दिखे। छत्तीसगढ़ के खिलाफ उन्होंने चिर-परिचित अंदाज में शीर्ष क्रम पर वापसी करते हुए तेज गेंदबाज रवि किरण की गेंद पर स्क्वायर के पीछे और मिड-विकेट पर दो छक्के लगाए और बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर अजय मंडल की गेंद पर डीप मिड-विकेट बाउंड्री के ऊपर तीन छक्के लगाए जिससे पांचवें ओवर तक केरल का स्कोर 72 रन हो चुका था। किरण ने आनंद राव की गेंद पर सैमसन का कैच लपका।

केरल ने इसके बाद आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। ग्रुप के एक अन्य मैच में प्रतिभाशाली रियान पराग एक बार फिर से संघर्ष करते हुए दिखे। रियान ने 19 गेंद में 14 रन बनाये जिससे असम की टीम सात विकेट पर 132 रन ही बना सकी।

## बांग्लादेश प्रीमियर लीग ऑक्शन : सबसे महंगा प्लेयर भी नहीं बनेगा करोड़पति

*GANDIV REPORTER*

**ढाका।** बांग्लादेश प्रीमियर लीग में करीब 13 साल बाद पहली बार प्लेयर्स की नीलामी की गई। भारत की आईपीएल की बात तो छोड़ दीजिए, कुछ दिन पहले हुई विमेंस प्रीमियर लीग की नीलामी में लगी बोली को भी बांग्लादेश बराबर नहीं कर पाया है। जहां डब्ल्यूपीएल में खिलाड़ियों पर करोड़ों रुपये की बारिश हुई थी, वहीं आप जानकर हैरान रह जाएंगे कि करीब 9 सीजन के बाद हुए बीपीएल ऑक्शन में कोई भी खिलाड़ी भारतीय करेंसी के हिसाब से करोड़पति नहीं बन सका है। बांग्लादेशी क्रिकेट टीम के स्टार प्लेयर्स को भी टीमों ने इतना पैसा देने लायक नहीं समझा है। रविवार रात में हुई नीलामी में बांग्लादेशी क्रिकेटर मोहम्मद नईम को सबसे बड़ी बोली मिली है। नईम नीलामी में इकलौते प्लेयर रहे हैं, जिन्हें एक करोड़ टका (बांग्लादेशी करेंसी) में खरीदा गया है, जो भारतीय करेंसी में महज 78.7 लाख रुपये के करीब बैठता है। नईम को चिटगॉन्ग रॉयल्स ने खरीदा है। तौहीद हृदॉय को करीब 65.84 लाख भारतीय रुपये और बांग्लादेशी क्रिकेट स्टार लिटन दास को करीब 50.10 लाख भारतीय रुपये में रंगपुर राइडर्स ने खरीदा है।

डब्ल्यूपीएल की 15 खिलाड़ियों से पीछे बीपीएल की नंबर-1 बोली

बीपीएल में साल 2012 के उद्घाटन सीजन के बाद पहली बार लगी बोली में नंबर-1 प्राइस पाने वाले मोहम्मद नईम डब्ल्यूपीएल 2026 ऑक्शन की पहली 15 महिला क्रिकेटरों से भी फिसड्डी रहे हैं। महिला क्रिकेट की आईपीएल जैसी प्रीमियर लीग डब्ल्यूपीएल की नीलामी में इस बार सबसे महंगी प्लेयर दीप्ति शर्मा रही थीं, जिन्हें करीब 3.20 करोड़ रुपये के फ्छट से लखनऊ वॉरियर्स ने खरीदा है। डब्ल्यूपीएल की नीलामी से पहले ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने स्मृति मंधाना को 3.5 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड कीमत में रिटेन कर लिया था। डब्ल्यूपीएल ऑक्शन में करीब 11 खिलाड़ियों को 1 से 3.2 करोड़ रुपये के बीच की रकम मिली है, जबकि 4 खिलाड़ियों को 80 लाख से 90 लाख रुपये की कीमत देकर टीमों ने अपने साथ जोड़ा है। इसके उलट बीपीएल 2026 की नीलामी के सबसे महंगे प्लेयर मोहम्मद नईम इन महिला क्रिकेटरों से भी फिसड्डी रह गए हैं।

### हाई कोर्ट से एनओसी के बाद हुई नीलामी

बीपीएल की नीलामी रविवार शाम को करीब एक घंटा देरी से तब शुरू हुई, जब बोर्ड को बांग्लादेश हाई कोर्ट से एनओसी मिल गई। बीपीएल के प्लेयर्स ऑक्शन के खिलाफ 9 क्रिकेटरों ने याचिका दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने कथित फिक्सिंग आरोपों के चलते उन्हें नीलामी से बाहर रखने के फैसले को चुनौती दी थी। बांग्लादेश के लिए पिछले सप्ताह ही 100 टेस्ट खेलने वाला पहला क्रिकेटर बने मुश्फिकुर रहीम को शुरूआत में खरीदार ही नहीं मिला। एक अन्य स्टार क्रिकेटर महमूदुल्लाह भी पहले चरण में बिना बिके ही रह गए।

# 52 साल की उम्र में दुल्हन बनीं एक्ट्रेस महिमा चौधरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस महिमा चौधरी इस वक्त सोशल मीडिया पर छाई हुई है। एक्ट्रेस का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में महिमा का ब्राइडल लुक देखने को मिल रहा है। कहा जा रहा है कि महिमा चौधरी ने 52 साल की उम्र में दूसरी शादी रचा ली है।

वायरल वीडियो में महिमा चौधरी एक्टर संजय मिश्रा के साथ पोज देती दिख रही हैं। एक्ट्रेस पैपराजी से कहती हैं, ह्यये लोग बाराती है। मिठाई खाकर जाना।

बता दें कि महिमा चौधरी ने असल में शादी नहीं की है। वह संजय मिश्रा के साथ अपकमिंग फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी कर रही हैं। फिलम के प्रमोशन के लिए महिमा चौधरी ने दुल्हन का अवतार लिया है। जबकि संजय मिश्रा दूल्हे के लुक में नजर आ रहे हैं।

बता दें कि महिमा चौधरी ने कोलकाता बेस्ड आर्किटेक्ट बॉबी मुखर्जी संग 19 मार्च 2006 को लॉस वेगस में शादी रचाई थी। इसके बाद उन्होंने बंगाली रीति-रिवाज से भी शादी की। कपल 2007 में एक बेटी के माता-पिता बने। 2013 में महिमा और बॉबी ने अलग होने का फैसला लिया था। हालांकि दोनों ने तलाक नहीं लिया है।

परदेस एक्ट्रेस रितु चौधरी उर्फ महिमा चौधरी इस वक्त संजय मिश्रा के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। दोनों की उम्र में 10 साल का अंतर है। एक्ट्रेस 52 तो एक्टर 62 साल के हैं। अब स्क्रीन पर इनकी इस जोड़ी को कितना प्यार मिलेगा, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा। मगर उसके पहले एक्ट्रेस के असली पति के बारे में जानिए। वह कौन हैं और कहां हैं। महिमा चौधरी 90 के दशक की मशहूर अदाकारा हैं। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। जितनी प्रोफेशनल लाइफ में इन्होंने काम के कारण वाहवाही लूटी है। उतनी ही विवादित इनकी पर्सनल लाइफ रही है। इन्होंने टेनिस स्टार लिएंडर पेस को डेट करने के से लेकर कोलकाता के आर्किटेक बॉबी मुखर्जी से शादी की थी। इनकी एक से ब्रेकअप हुआ और दूसरे से गंदा तलाक।

**महिमा चौधरी के पति तलाकशुदा** : महिमा चौधरी ने 19 मार्च, 2006 में 33 की उम्र में बॉबी से शादी की थी। हालांकि उनके पति तलाकशुदा थे। और दूसरी शादी करने के बारे में सोच रहे थे। खैर। महिमा ने बॉबी के साथ अपनी लाइफ शुरू की और बेटी की मां बनीं। लेकिन कुछ समय बाद इनके रिश्ते में भी दिक्कतें आने लगी। दोनों के बीच तालमेल की कमी देखी जाने लगी। एक्ट्रेस अपने पति के साथ खुश नहीं थीं। क्योंकि जब भी उन्हें जरूरत होती, वह उनके लिए मौजूद नहीं होते थे।

**महिमा चौधरी का दो मिसकैरेज :** महिमा जब शादी में आई उथल-पुथल से गुजर रही थीं, तभी उनका दो मिसकैरेज भी हुआ था। लेकिन बॉबी उन्हें भावनात्मक रूप से सहारा देने के लिए आसपास नहीं थे। एक्ट्रेस ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि इस बारे में उन्होंने माता-पिता तो नहीं बताया था क्योंकि वह परेशान हो जाते। वह जब किसी इवेंट के लिए जातीं तो बेटी को अपनी मां के यहां छोड़कर जाती थीं।

**महिमा चौधरी की 5 साल में टूटी शादी** : महिमा 2011 से अपने पति से अलग रहने लगी थीं और 2013 में इनका तलाक फाइनल हो गया था। यानी इनकी शादी 5 साल भी सही से नहीं चली थी और ये अलग हो गए थे। बॉलीवुड बबल से बातचीत में महिमा ने बताया था, जब हम अलग हुए और अपनी बेटी को स्कूल में डालने के बारे में सोच रहे थे तो तब भी हमारे बीच दिक्कतें थीं कि किसमें उसे डालें क्योंकि हम किसी भी चीज पर सहमत नहीं हो रहे थे। फिर जब वह यूरोप टूर पर जा रहा था तो उसने अपना मन बदला और कहा कि जिसमें उसने पढ़ाई की है। महिमा ने बताया था कि अकेले बेटी की परवरिश करना उनके लिए मुश्किल हो गया था क्योंकि उस दौरान उनकी मां बीमार रहती थीं और उनकी बहन भी सिंगल पेरेंट थीं। और वह खुद काम पर जाती थीं। ऐसे में वह पूरी तरह से अपने स्टाफ पर डिपेंड हो गई थीं। एक्ट्रेस का दिल क्या करे के दौरान भंयकर एक्सीडेंट हो गया था।

### सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह का सनसनीखेज खुलासा

# मनोचिकित्सकों ने बताया, दो लोगों ने की थी उसकी हत्या

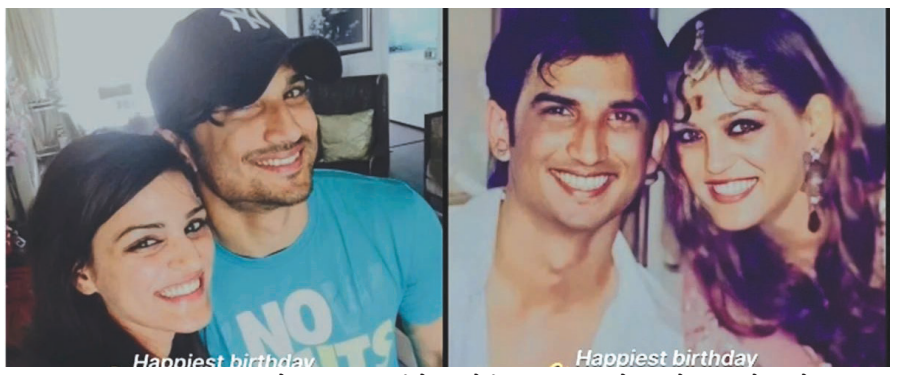


सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने दावा किया है कि उनके भाई की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या थी। उन्होंने खुलासा किया कि अमेरिका और मुंबई के दो मनोचिकित्सकों ने उन्हें बताया कि सुशांत की हत्या दो लोगों ने की थी, जबकि शारीरिक साक्ष्य भी सुसाइड थ्योरी पर सवाल उठाते हैं। यह बयान सीबीआई सहित सभी एजेंसियों द्वारा सुशांत की मौत को आत्महत्या करार दिए जाने के बावजूद आया है। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने अपने भाई की मौत के बारे में चौंकाने वाले नए दावे किए हैं, जो उनके अनुसार आत्महत्या नहीं थी। पत्रकार शुभंकर मिश्रा के साथ हाल ही में एक साक्षात्कार में, श्वेता ने खुलासा किया कि दो मनोचिकित्सकों, एक अमेरिका में और दूसरा मुंबई में, ने उन्हें बताया था कि सुशांत की हत्या दो व्यक्तियों ने की थी। जून 2020 में सुशांत की मौत ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था, जिसके बाद मीडिया में काफी हंगामा हुआ और मुंबई पुलिस, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा कई जाँचें की गईं। हालाँकि सभी एजेंसियों ने निष्कर्ष निकाला कि इसमें कोई गड़बड़ी नहीं थी, लेकिन श्वेता के हालिया बयानों से पता चलता है कि वह आधिकारिक निष्कर्षों से अभी भी आश्वस्त नहीं हैं।

श्वेता ने सवाल करते हुए शुरूआत की कि इन परिस्थितियों में शारीरिक रूप से आत्महत्या कैसे संभव है। उन्होंने कहा, ये आत्महत्या कैसे हो सकती है? पंखे और बिस्तर के बीच इतनी भी दूरी नहीं थी कि कोई पैर लटका सके। जगह ही नहीं थी। अगर कोई आत्महत्या करने की सोच रहा होता, तो स्टूल का इस्तेमाल करता, है ना? अगर दूरी होती, तो स्टूल का इस्तेमाल करते, उस पर चढ़ते, रस्सी बाँधते। लेकिन वहाँ कोई स्टूल ही नहीं था। और अगर आप शरीर पर निशान देखें, तो वे दुपट्टे के निशान नहीं लग रहे थे। जिस चीज का इस्तेमाल किया गया था, उससे कपड़े जैसा कोई निशान नहीं पड़ा था - वो एक पतली चेन के निशान जैसा था। श्वेता के अनुसार, उनके भाई की मृत्यु के तुरंत बाद, एक पारिवारिक परिचित के जरिए अमेरिका के एक मनोविज्ञानी ने उनसे संपर्क किया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने मुझसे संपर्क किया - उनमें से एक अमेरिका का एक मनोवैज्ञानिक था। मेरा वहां एक भाई जैसा दोस्त है, वह अमेरिकन है। जब उसे पता चला कि क्या हुआ था, तो उसने कहा, ह्यमेरी एक गॉडमदर है जो गहरे ध्यान में चली जाती है, बहुत गहरी समाधि में। मुझे उससे बात करने दो। तो उसने उसे फोन किया, और वह यह भी नहीं जानती थी कि मैं कौन हूं या मेरा भाई कौन है। वह हमारे बारे में कुछ नहीं जानती थी। वह अमेरिकन है, है ना? और उसने कहा, उसकी हत्या कर दी गई। दो लोग आए।

उन्होंने आगे कहा कि बाद में मुंबई से एक दूसरा मानसिक रोगी भी इसी तरह का विवरण साझा करते हुए उनके पास पहुंचा। फिर बॉम्बे से एक और मनोवैज्ञानिक ने मुझसे संपर्क किया। मुझे उसके बारे में भी कुछ नहीं पता था। और उसने भी वही बात कही जो गॉडमदर ने मुझसे कही थी। आप ही बताइए - दोनों एक ही बात कैसे कह सकते हैं? दोनों ने कहा कि दो लोगों ने आकर उसकी हत्या कर दी थी।

### 60 के होने वाले शाहरुख खान का जवां लुक! बोले-

# उम्र नहीं, मेरा आकर्षण बढ़ता है

अभिनेता शाहरुख खान अपने 60वें जन्मदिन से पूर्व आस्कएसआरके सत्र में हास्यपूर्ण अंदाज में बोले कि उम्र मुझ पर जंचती है, और वे साठ में भी आकर्षक दिखते हैं। उन्होंने अपने आकर्षण के साथ-साथ आर्यन और सुहाना के करियर, आगामी फिल्मों व जवान के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने जैसे विषयों पर प्रशंसकों के सवालों का जवाब दिया, जो उनके निरंतर बॉलीवुड प्रभाव को दशार्ता है।

अभिनेता शाहरुख खान दो नवम्बर को प्रशंसकों के साथ अपना 60वां जन्मदिन मनाने के लिए उत्सुक हैं और उनका मानना है कि उम्र बढ़ने के साथ वह और भी बेहतर दिखने लगे हैं। सोशल मीडिया मंच एक्स पर आयोजित हैशटैग आस्कएसआरके सत्र में शाहरुख ने कई सवालों के जवाब दिए जिनमें उनकी जन्मदिन की योजनाओं, आगामी फिल्मों, जीवन दर्शन से लेकर उनके दोनों बच्चों - आर्यन और सुहाना के करियर से जुड़े सवाल भी शामिल थे।

शाहरुख अपने प्रशंसकों से जुड़े रहने के लिए नियमित रूप से यह सत्र आयोजित करते हैं। शाहरुख ने बृहस्पतिवार को प्रशंसकों का अभिवादन करते हुए सत्र की शुरूआत की, जिसमें लिखा था, सभी को नमस्कार। अच्छा समय रहा है... पुरस्कार... सीरीज रिलीज... सालगिरह और सभी अच्छी चीजें... सोचा कि आपके साथ कुछ सुखद जवाब साझा करूं। तो अगर आप फ्री हों तो कृपया हैशटैग आस्कएसआरके के लिए जुड़ें, सभी को प्यार, चलिये शुरू करते हैं।

जब एक प्रशंसक ने पूछा, आप इतने आकर्षक क्यों हैं? , तो शाहरुख ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, ह्यह्यमुझे लगता है कि उम्र मुझ पर जंचती है... साठ की उम्र में भी आकर्षक दिखता हूं!! सत्तर की उम्र में शानदार... अस्सी की उम्र में आकर्षक वगैरह। अभिनेता ने हाल में अपने बेटे आर्यन खान की सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड की सफलता और जवान के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने का जश्न मनाया।

अभिनेता से पूछे गए सवालों में हास्यपूर्ण चुटकुलों, प्रेम और वास्तविक जिज्ञासा से भरे सवाल थे और शाहरुख ने अपनी विशिष्ट शैली में गर्मजोशी के साथ उनका जवाब दिया। यह पूछे जाने पर कि अभिनेता ने हाल ही में कोई साक्षात्कार क्यों नहीं दिया, उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, मेरे पास कहने को कुछ नया नहीं है... और पुराने साक्षात्कार भी पुराने हो गए हैं, इसलिए... हा हा। एक अन्य प्रशंसक ने पूछा, कभी-कभी फरिश्ते डिंपल के साथ आते हैं। क्या यह सच है? जिस पर अभिनेता ने तुरंत जवाब दिया, हमेशा... और बिखरे बालों के साथ। एक अन्य प्रशंसक ने बताया कि वे स्टार के आगामी 60वें जन्मदिन पर उनके आवास मन्नत में आयोजित वार्षिक प्रशंसक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुंबई आए हैं। उन्होंने लिखा, आपका स्वागत है, 2 तारीख को मिलते हैं। वर्तमान प्राथमिकताओं के बारे में पूछे जाने पर, अभिनेता ने कहा, अपने बच्चों के साथ समय बिताना... मजबूत और स्वस्थ रहना ताकि मैं मनोरंजन कर सकूं... और सामान्य तौर पर अधिक धैर्यवान बना रह सकूं।

### ममता ने दाऊद आतंकवादी नहीं बयान पर यू-टर्न!

# ममता कुलकर्णी साध्वी बनने के बाद भी ड्रग्स और गैंगस्टर कनेक्शन?

ममता कुलकर्णी ने दाऊद इब्राहिम आतंकवादी नहीं है वाले बयान पर उपजे विवाद के बाद सफाई दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका नाम गलत समझा गया और उनका संबंध दाऊद से नहीं बल्कि विक्की गोस्वामी से था, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि उसने कोई राष्ट्र-विरोधी कार्य नहीं किया। इस घटनाक्रम ने उनकी पुरानी ड्रग तस्करी मामले की पृष्ठभूमि को फिर से चर्चा में ला दिया है।

पूर्व अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक कार्यक्रम के दौरान दाऊद इब्राहिम के बारे में टिप्पणी करके विवाद खड़ा कर दिया था। हंगामे के कुछ घंटे बाद, उन्होंने अपनी टिप्पणी पर स्पष्टीकरण दिया। अब, पूर्व अभिनेत्री ने स्पष्टीकरण जारी किया है और कहा है कि उनके बयान को गलत समझा गया।

**मता कुलकर्णी के दाऊद इब्राहिम बयान पर विवाद शुरू हो गया है**

जैसा कि इंडिया टीवी ने रिपोर्ट किया है, प्रेस मीट में ममता ने कहा मेरा दाऊद इब्राहिम से कोई लेना-देना नहीं है। एक व्यक्ति का नाम शामिल था [संभवतः विक्की गोस्वामी], लेकिन अगर आप ध्यान से देखेंगे, तो उसने देश में कभी कोई बम विस्फोट या राष्ट्र-विरोधी कार्य नहीं किया। मैं उसके साथ नहीं हूँ, लेकिन वह आतंकवादी नहीं है। लोगों को अंतर समझना चाहिए। देश में कोई भी बम विस्फोट या राष्ट्रविरोधी कृत्य। मैं उसके साथ नहीं हूं, लेकिन वह कोई आतंकवादी नहीं है. आपको अंतर समझना चाहिए) ।

उन्होंने दाऊद से मिलने या उससे जुड़े होने से भी इनकार किया। उन्होंने कहा कि जब आप दाऊद का नाम लेते हैं - जिससे मेरा नाम जुड़ा है - उसने बॉम्बे में कभी

कोई बम विस्फोट नहीं किया। क्या आपने कभी इसके बारे में सुना है? जिस व्यक्ति का आप नाम ले रहे हैं, दाऊद का नाम उसमें कभी नहीं था। मैं अपने पूरे जीवन में दाऊद से कभी नहीं मिला।

2015 में, ममता कुलकर्णी का नाम एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी मामले में आया था। ठाणे पुलिस ने दावा किया कि अभिनेत्री 2000 करोड़ रुपये के एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट और गैंगस्टर को मेथामफेटामाइन के अवैध निर्माण के लिए इफेड्रिन की आपूर्ति करने वाले आरोपियों में से एक थीं, जिसका उद्देश्य तस्करी करना था। इसे उस समय भारत की अब तक की सबसे बड़ी ड्रग जब्ती बताया गया था। यह बताया गया कि वह अपने साथी विक्की गोस्वामी और अन्य सह-आरोपियों के साथ जनवरी 2016 में केन्या में एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग गिरोह की बैठक में शामिल थीं।

### बॉक्स ऑफिस : कांतारा: चैप्टर 1 बनी साल 2025 की सबसे बडी

# कमाऊ फिल्म, देश की टॉप फिल्मों की लिस्ट में पाई ये जगह

ऋषभ शेट्टी के डायरेक्शन में बनी उनकी ही लीड रोल वाली फिल्म कांतारा: अ लीजेंड चैप्टर 1 की गर्जना ऐसी रही कि इसके सामने एक फिल्म को छोड़कर देश की सारी फिल्में ध्वस्त नजर आ रही हैं। इसने देशभर में सबसे शानदार कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में बाजी मार ली है। वहीं सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी अब तक 100 करोड़ तक भी नहीं पहुंच पाई है।

ऋषभ शेट्टी के डायरेक्शन में बनी उनकी ही लीड रोल वाली फिल्म कांतारा: अ लीजेंड चैप्टर 1 ने धूम मचा रखी है। इस फिल्म ने 29 दिनों की कमाई में पिछले कई रेकॉर्ड तोड़ते हुए अपने लिए शानदार जगह बना ली है। इंडस्ट्री में कुछ ऐसी फिल्में रिलीज ऐसा कमाल कर जाती हैं जिसका अंदाजा पहले से किसी को नहीं होता। 125 करोड़ रुपये के बजट में बनी कांतारा: चैप्टर 1 भी उनमें से ही एक है जिसने अपनी कमाई से बड़ी-बड़ी फिल्मों को मात दी है और हर किसी को चौंकाया है। वहीं करीब 80 करोड़ की लागत से बनी सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी को इस फिल्म से बड़ा नुकसान हुआ है और देसी बॉक्स ऑफिस पर अब भी ये 100 करोड़ के आंकड़े को छू नहीं पाई है।

61.85 करोड़ रुपये की धाकड़ ओपनिंग के साथ ये फिल्म लगातार की दिनों तक सिनेमाघरों में गरजती रही है। अभी भी अग नई फिल्मों से इसकी तुलना करें तो ये बेहतर ही कमाई कर रही है। हालांकि, बाहुबली: द एपिक की वजह से अब आगे का सफर इस फिल्म के लिए मुश्किल भरा साबित हो सकता है लेकिन अब तक इसने वो कर दिखाया, जो अच्छी-अच्छी बड़ी फिल्में नहीं कर पाईं। ये फिल्म अब इस साल यानी 2025 में सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है।

कांतारा:चैप्टर 1 के कलेक्शन ने कई सारी फिल्मों को पछाड़ दे दी

अब अगर देश की टॉप कमाऊ भारतीय फिल्मों की लिस्ट पर नजर डालें तो इंडिया नेट कलेक्शन के मामले में कांतारा: चैप्टर 1 से ऊपर 6 फिल्में हैं। इन फिल्मों में पुष्पा 2 (1234.1 करोड़ रुपये), बाहुबली 2 (1030.42 करोड़ रुपये), केजीएफ चैप्टर 2 (859.7 करोड़ रुपये), आरआरआर (782.2 करोड़ रुपये), कल्कि 2898 एडी (646.31 करोड़ रुपये), जवान (640.25 करोड़ रुपये) के नाम शामिल हैं।

**कांतारा : चैप्टर 1 ने की वर्ल्डवाइड कमाई**

वहीं वर्ल्डवाइड कमाई के मामले में कांतारा चैप्टर 1 ने जहां 28 दिनों में 824.75 करोड़ की कमाई की, वहीं उम्मीद है कि 29वें दिन ये 827 करोड़ से आगे निकल गई होगी।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी को बड़ा नुकसान

इसी फिल्म के साथ ही रिलीज हुई वरुण धवन और जान्हवी कपूर की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म ह्यसनी संस्कारी की तुलसी कुमारीह्ल की कमाई पर कांतारा चैप्टर 1 का काफी असर हुआ है। अगर इस फिल्म के रास्ते में कांतारा चैप्टर 1 न आती तो हो सकता था कि ये और आगे निकल जाती।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की कमाई

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी ने 29वें दिन महज 6 लाख रुपये की कमाई की। इसने देसी बॉक्स ऑफिस पर केवल 61.54 करोड़ का कलेक्शन किया है। वर्ल्डवाइड कमाई के मामले में भी ये अभी तक 100 करोड़ के आंकड़े को क्रॉस नहीं कर पाई है। 29 दिनों में फिल्म ने 98.05 करोड़ का कलेक्शन किया है।